श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

MEMORANDUM OF ASSOCIATION OF THE SOCIETY
SHRI MATHUR CHATURVEDI MAHAPARISHAD

ORIGINAL

Registration Certificate

Registration No: S/ND/06/2024

Date: 24th February 2024

&

Bylaws along with Memorandum of Association of the Society

Shri Mathur Chaturvedi Mahaparishad (Regd.)

Address: Chamber No: 581, Paitala House
New Delhi - 110001
Email ID: SMCMP2023@gmail.com

The Area of Operation is "ALL OVER INDIA"

Adv. V.N. Chaturvedi
9810280191
(Sanrakshak)

सत्यमेव जयते

CERTIFICATE OF REGISTRATION

UNDER SOCIETIES REGISTRATION ACT XXI OF 1860

Registration No. S/ND/ 06 /2024

I hereby certify that "SHRI MATHUR CHATURVEDI MAHA PARISHAD", located at Chamber No. 581, New Chambers Complex, Patiala House Court, New Delhi 110001 has been registered* under SOCIETIES REGISTRATION ACT, 1860.

Given under my hand at Delhi on this 24th Day of February Two Thousand Twenty Four.

Fee of Rs. 50/- Paid-

Seal

The Registrar Firm & Society
SDM (HQ) Distt. New Delhi
सत्यमेव जयते

24.2.24

REGISTRAR OF SOCIETIES
GOVT. OF NCT OF DELHI

Registrar of Societies
NEW DELHI DISTT

The Area of operation is ALL OVER INDIA.

**** This document certifies registration under the Society Registration Act, 1860. However, any Govt. department or any other association/person may kindly make necessary verification (on their own) of the assets and liabilities of the society before entering into any contract/assignment with them.***

NOTE: The society shall not be entitled to use its translated/abbreviated/acronym name and shall use the original name only, it shall show the name with the caption that it is governed by private body/society and not by government and name of the society shall not be used for any commercial purpose or trade or business or profession, certification/ affiliation/recognition to other organization etc.

Shri Neeraj Chaturvedi
Rajasthan

Shri Pranav Chaturvedi
Uttar Pradesh

Shri Hiralal Pandey
Delhi

Shri Pawan Misra
Delhi

Adv. Vivekanand Chaturvedi
Uttar Pradesh

Shri C.P. Chaturvedi
Maharashtra

Shri Dheeraj Kumar Chaturvedi
Haryana

Shri Rohit Chaturvedi
Uttar Pradesh

Shri Nashith Chaturvedi
Madhya Pradesh

Shri Bharat Chaturvedi
Uttar Pradesh

Shri Piyush Chaturvedi
Uttrakhand

Shri Gyan Chaturvedi
Chattisgarh

Shri Kishan Kumar Chaturvedi
Chandigarh

Shri Satyendra Kumar Chaturvedi
Gujarat

Representation of Total "10" States of India i.e. – (1) Delhi, (2) Uttar Pradesh, (3) Rajasthan, (4) Madhya Pradesh, (5) Gujarat, (6) Chandigarh, (7) Haryana, (8) Uttarkhand, (9) Chattisgarh, (10), Maharashtra

पालागन
जय श्री कृष्ण

※※※

आज बड़े ही हर्ष का विषय है कि हमारी श्री माथुर चतुर्वेदी महा परिषद अब एक रजिस्टर्ड संस्था बन चुकी है।

ये यात्रा शुरू हुई जब हम सभी ने अपने समाज को जिसका उद्गम श्री कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा से हुआ,और विश्व में फैल गया, उसे संगठित करके, एकसूत्र में पिरोने का स्वप्न देखा।

इस स्वप्न को पूरा करने के लिए सबसे जरूरी कार्य था, अपने समाज के बान्धवों तक पहुंचना और उनकी वर्तमान स्थिति को जानना।

इसके लिए श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद की टीम ने योजना बनाई और अपने समाज का सर्वेक्षण शुरु किया। इस कार्य में आशातीत सफलता मिली और हम अपने विश्व में फैले भाइयों तक पहुंच पाए।

आज हम लगभग **45000** के करीब अपने भाई बंधुओं तक पहुंच पाए हैं, और आगे भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी, जब तक कि हम अपने प्रत्येक भाई बहिन तक नहीं पहुंच जाते।

अब मैं श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के उद्देश्यों की तरफ आगे बढ़ता हूँ। जैसा कि सभी जानते है कि किसी भी समाज को सुदृढ़ और समृद्ध शाली बनाने के लिए उसके चार खंबो को मजबूत करना आवश्यक होता है।

शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय एवं सुरक्षा। जब तक हम इन चारों को मजबूत नहीं करते, तब तक हम एक सुदृढ़ और समृद्धिशाली समाज की कल्पना नहीं कर सकते।

आज हम सर्वेक्षण और जनगणना के द्वारा समाज की वर्तमान भौगोलिक,शैक्षणिक,आर्थिक,और सामाजिक स्थिति को जान चुके हैं। इस पर कार्य प्रारम्भ करना है।

संस्था की कार्यप्रणाली। किसी भी संस्था की सफलता में उसकी कार्यप्रणाली सबसे अहम होती है।

कार्यप्रणाली ऐसी हो जो संपूर्ण समाज को साथ लेकर चले, समाज जिस पर भरोसा करे,और आने वाली पीढ़ी जिस पर गर्व मेहसूस करे।

इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए संस्था नीति निर्धारण के लिए एक नीति आयोग का गठन भी कर रही है, जो जन-जन तक पहुंच कर उनकी आकांक्षाओं को समझे, और उनके अनुरूप योजनाओं का निर्माण करे। साथ ही संगठन को उनके क्रियान्वयन में भी सहयोग करे।

संगठन की सबसे बड़ी शक्ति होती है उसमें जुड़े हुए लोगों का ज्ञान, उनका अनुभव, उनकी कार्यक्षमता और उनका आपसी विश्वास। यही वो बातें होती हैं जो किसी भी संगठन को मजबूत बनाने में मदद करती हैं।

और जहां तक मेरा अनुभव है ये सभी बातें हमारी श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद की टीम में हैं।

इसलिए मुझे आशा ही नहीं वरन पूर्ण विश्वास है कि श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद अपने उद्देश्यों में सफल होगी और एक सुदृढ़ और समृद्धिशाली वैश्विक समाज का निर्माण करने में सफल रहेगी।

आज जब संस्था के पंजीकृतहेन के बाद की प्रथम बैठक को आयोजित कर रहे हैं, मैं अपने माथुर चतुर्वेदी समाज के गौरवशाली इतिहास एवं परम्पराओं को ध्यान में रखते हुए एक सुदृढ़ और समृद्धिशाली समाज के निर्माण के लिए संपूर्ण समाज को शुभकामनाएं देता हूँ।

हमरा समाज दिन प्रतिदिन आगे बड़े, नई ऊंचाईयों को प्राप्त करे।

अंत में इन्हीं पंक्तियों के साथ सभी बान्धवों को यथायोग्य प्रणाम करता हूँ।

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया।

सर्वे भद्राँणि पश्यंतु, माँ कश्चित दुःख भाग्भवेत।।

कहते हैं मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और वो बगैर सामाज के रह नहीं सकता।

वह अपने चारों ओर रिश्तों का जाल बुनता है और उन्हीं रिश्तों के बीच अपना जीवन व्यतीत कर देता है।

यही समाज अपने सर्वांगीण विकास के लिए संगठन बनाता है, और संस्थाओं का निर्माण करता है, जिनके माध्यम से समाज को संगठित रखा जा सके, और समाज के विकास के लिए योजनाओं पर कार्य कर सके।

लेकिन जब संस्थाएं अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं करती, निर्माण कर्ताओं से संबंध तोड़ लेती हैं, और कुछ चंद लोगों के आधिपत्य में चली जाती हैं, तब सामाज एक बार फिर खड़ा होता है,और एक नई संस्था का सृजन करता है।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के जन्म की पृष्ठभूमि भी यही है। जब समाज की संस्थाएं जिन्हें हमारे ही पूर्वजों ने अपना तन मन धन सब लगाकर बनाया,उन्होंने सामाज से दूरी बनाई ,और कुछ चंद लोगों ने उन पर आधिपत्य जमा लिया।

आज स्थिति ये है कि सम्पूर्ण सामाज धीरे-धीरे इससे जुड़ता जा रहा है। साथ ही समाज का भरोसा महापरिषद की जिम्मेदारियों को भी बढ़ा रहा है।

महा परिषद भी अब इन जिम्मेदारियों को लेने के लिए सक्षम हो चुका है।

आज महा परिषद की कार्यकारिणी देश के **20** प्रदेशों में गठित हो चुकी है, और वहां की टीम निस्वार्थ भाव से दिन रात लोगों के लिए काम कर रही है।

महापरिषद उन सभी विषयों पर योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही है, जो समाज के आधार स्तंभ होते हैं।

प्रत्येक सामाज चार स्तम्भों पर खड़ा होता है। ये चारों स्तंभ जितने मजबूत होते हैं, उतना ही मजबूत वह समाज होता है।

ये स्तंभ हैं, *शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय।*

सामाजिक न्याय के भी चार भाग होते हैं, *साहित्य, संस्कृति, संस्कार और सामाजिक समरसता।*

अब इन्हें प्राप्त करने के लिए सामाज में संस्थाओं द्वारा योजनाओं पर काम करना होता है।

लेकिन जब तक आपको अपने समाज की जानकारी न हो तब तक योजनाओं को क्रियान्वित करना असंभव होता है।

पहले समाज कुछ ही जगहों पर केंद्रित था इसलिए सभी को एक दूसरे की जानकारी थी लेकिन वर्तमान में समाज देश क्या अब तो विश्व में फैल चुका है।

विश्व में फैले हुए समाज को एकसूत्र में बांधने के लिए जरूरत है वर्तमान में उपलब्ध **Technology** का उपयोग करें।

आज महा परिषद उसी दिशा में काम कर रही है। और समाज के युवाओं के सहयोग से जनगणना मिशन को आगे बढ़ा रही है।

जनगणना मिशन के अंतर्गत महा परिषद ७ गोत्र और **64** अल्ल के संपूर्ण माथुर चतुर्वेदी समाज को एकसूत्र में पिरोने के काम में लगी हुई है।

अभी तक के प्रयास में जनगणना का आकड़ा **45** हजार के करीब पहुंच चुका है, *श्हम सम्भवत: एक लाख की गणना तक पहुंचने में सफल हो जायेंगे*।

जनगणना के साथ साथ समाज को एकसूत्र में पिरोने के लिए महा परिषद अपनी वेबसाइट पर मोबाइल **App** पर भी कार्य कर रही है।

जो डाटा हमें जनगणना और सामाजिक सर्वेक्षण से प्राप्त होगा उसे महा परिषद अपनी **IT Governance Team** के माध्यम से प्रोसेस करेगी और फिर अपनी वेबसाइट और मोबाइल **App** पर मेंबर पक और यूजर पक के माध्यम से उपलब्ध कराएगी, ताकि संपूर्ण समाज एक दूसरे से जुड़ सके।

इसके उपरांत महा परिषद अपनी वेबसाइट और मोबाइल **App** को अपने समाज के लोगों के विज्ञापन आदि के लिए भी उपलब्ध कराएगी, ताकि समाज लाभान्वित हो सके। इस प्रकिया से एक साथ दो फायदे होंगे, पहला सामाज लाभान्वित होगा और दूसरा संस्था भी आत्मनिर्भर बन पायेगी।

महापरिषद अपने संचालन में भी पारदर्शिता के साथ साथ **Professional** लोगों को भी जोड़ने का प्रयास करेगी, जिसके लिए महा परिषद में एक नीति आयोग का गठन किया जाएगा।

ये आयोग संस्था के संविधान के अंतर्गत होगा । ये एक **25** सदस्यीय आयोग होगा जिसमें **10** कार्यकारिणी सदस्य और १५प्रोफेशनल सदस्य रहेंगे। इस आयोग का कार्यकाल भी कार्यकारिणी जितना ही होगा।

यह आयोग महा परिषद के नीति निर्धारण में कार्यकारिणी और संगठन की मदद करेगा।

वित्तीय मामलों में पारदर्शिता रखने के उद्देश्य से संस्था एक वित्तीय टीम भी बनाएगी जिससे बिवादास्पित वि परिस्थितियें से बचा जा सके।

*संस्था **Banking Accounts, Internal Audit, Compliances** के लिए अलग अलग लोगों को जिम्मेदारी सौंपेगी।*

साथ ही वित्तीय लेन-देन के लिए भी संस्था **Receipts or payements** के लिए अलग अलग बैंक अकाउंट खोलेगी। साथ ही ऑपरेशन के लिए डिजिटल पोर्टल का भी प्रयोग करेगी।

संस्था अंकेक्षण के लिए भी सरकारी पेनल पर अधिकृत अंकेक्षक को अपने हिसाब किताब के अंकेक्षण के लिए नियुक्त करेगी।

संस्था सामाज के चारों स्तम्भों की मजबूती के लिए योजनाएं बनाएगी जिसमें जनगणना और सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी को प्रयोग किया जाएगा।

संस्था शिक्षा के क्षेत्र में लोगों को **Mentorship Programmes** से मदद करेगी। जिसके अंतर्गत सामाज के अनुभवी और शिक्षित लोग आने वाली पीढ़ी को अपने अनुभव और ज्ञान से लाभान्वित करेंगे।

संस्था शिक्षा के लिए कोष के निर्माण पर भी कार्य करेगी और जरूरत मंद विद्यार्थियों को **funding** का प्रावध ाान करेगी ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से धनाभव के कारण वंचित न रह सके।

जब बात स्वास्थ्य की आती है तो, लगता है कि ये ही सबसे महत्वपूर्ण बात है। इस के लिए भी संस्था अपने समाज के **Doctors** से सलाह करके, योजनाओं का निर्माण करेगी, ताकि सामाज का कोई भी व्यक्ति इलाज से वंचित न रहे।

संस्था सामुहिक बीमा योजना पर भी काम करेगी ताकि जो लोग सरकारी योजनाओं से लाभ के अधिकारी नहीं हैं, वो भी लाभान्वित हो सकें।

जब बात रोजगार की आती है तो आपकी संस्था अपनी वेबसाइट और मोबाइल **App** के जरिए रोजगार की जानकारी उपलब्ध कराएगी। और सामाज के लोग जो **Business** या इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं, उन्हे सामाज के बच्चों को प्राथमिकता देने के लिये प्रेरित करेगी।

अब सबसे कठिन विषय आता है सामाजिक न्याय। यहाँ संस्कृति, संस्कार, साहित्य और सामाजिक समरसता सभी जुड़ जाते हैं। चूंकि विषय गंभीर हैं इसलिए इन्हें एक एक कर के समझना और उनका समाधान ढूंढने की आवश्यकता है।

शुरुआत साहित्य से करते हैं। अपना समाज साहित्य की दृष्टी से बहुत ही धनवान रहा है। हमारे सामाज में एक से बढ़कर एक साहित्यकार रहे हैं जिन्होंने अनेकों रचनाओं का सृजन और प्रकाशन किया है। संस्था का प्रयास रहेगा कि अपने सामाज के साहित्य को सुरक्षित करे और लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करे। इस कार्य में संस्था की वेबसाइट बहुत उपयोगी साबित होगी।

दूसरा विषय आता है संस्कृति। आज की स्थिति में समाज में संस्कृति का ह्रास होता जा रहा है। समाज में बढ़ते हुए विजातीय संबंध इसका मुख्य कारण हैं। आज जरूरत है कि हम अपने विवाह योग्य बच्चों के लिए रिश्ता अपने समाज में ही ढूंढें।

इस कार्य में संस्था द्वारा की जा रही जनगणना एवं सर्वेक्षण से प्राप्त डाटा उपयोगी सिद्ध होगा।

साथ ही संस्था द्वारा बनाई जा रही वेबसाइट पर जब विवाह योग्य युवक-युवतियों की कमजंपसे उपलब्ध होगी तो लोगों को उपयुक्त वर वधु को चुनना आसान हो जाएगा।

दूसरा विषय इसी से संबंधित है वो है समाज में टूटते हुए रिश्ते। ये विषय आज सामाज में दीमक की तरह फैल रहा है। कितने ही परिवार हैं जो इस समस्या से ग्रसित हैं। आज जरूरत है कि सामाज का प्रबुद्ध वर्ग इस दिशा में कार्य करे और संस्था भी उस कार्य में अपना योगदान दे।

अगर बात कानून के दरवाजे तक पहुंचती है तो उस स्थिति में समाज के वकीलों को आगे आकर ऐसे परिवारों की मदद करनी चाहिए। इस कार्य में भी संस्था अपना योगदान देने के लिए तत्पर रहेगी।

संस्था की वेबसाइट के माध्यम से भी लोग अपने सामाज के वकील तक पहुंच पायेंगे, जो कानूनी पहलूओं पर सामाज के लोगों को मदद पहुंचाएंगे।

एक और विषय आता है वो है सामाज के बड़े बुजुर्गों की देखभाल।

ये समस्या हर जगह है क्योंकि बच्चे परदेश काम के लिए चले जाते हैं, और उस स्थिति में मां बाप अकेले रह जाते हैं।

महापरिषद अपने समाज के बुजुर्गों के लिए भी कार्य योजना तैयार कर रही है ताकि समाज में कोई अकेला न रहे।

अंत में आपकी संस्था सम्पूर्ण भारत में अपनी कार्यकारिणी के माध्यम से जनसंपर्क आयोजित करती रहेगी,ताकि सामाज में कोई भी अपने आप को अकेला मेहसूस न करे।

अनंत सम्भावनाओं की ओर अग्रसर आपका अपना माथुर चतुर्वेदी समाज और आपकी अपनी श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद (रजि.)

CA. सी पी चतुर्वेदी
संस्थापक सदस्य

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के बढ़ते कदम

※※※

1. विजय दशमी ५अक्टूबर 2022 को देश के चतुर्वेदी समाज के प्रबुद्ध जनों के बीच एक नई सामाजिक संस्था के गठन संबंधी विचार और श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का उदगम की शुरुआत।

2. (श्री बृज मोहन चतुर्वेदी मुम्बई, नीरज चतुर्वेदी जयपुर, पवन मिश्रा दिल्ली, सुखदेव जी डबरा, प्रणब चतुर्वेदी कानपुर भारत चतुर्वेदी कानपुर, ललित चतुर्वेदी मथुरा निशीथ चतुर्वेदी डबरा, व्यास चतुर्वेदी भोपाल पीयूष चतुर्वेदी हल्द्वानी, कांतानाथ चतुर्वेदी मथुरा आदि ने इस संस्थाकी नीब रखने में अपना योगदान देते हुऐ 7 गौत्र 64 अल्ल में आने वाले समस्त देश में रहने वाले श्री माथुर चतुर्वेदी बंधुध्बहिनों को जोड़ने की दिशा में श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद ग्रुप के माध्यम से कार्य शुरू किया)

3. शरद पूर्णिमा ९अक्तूबर 2022 को श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के अनुभवी जनों के संरक्षक मण्डल की सर्वसम्मति से निम्न प्रकार गठन किया गया।

1. श्री बृज मोहन चतुर्वेदी मथुरा मुम्बई।
2. श्री पवन मिश्रा दिल्ली
3. श्री हीरालाल पांडेय दिल्ली
4. एड. बी. एन चतुर्वेदी गाजियाबाद
5. श्री अरूण पाण्डेय बनारस
6. श्री सुखदेव चतुर्वेदी डबरा
7. श्री अशोक पाण्डे लोनी
8. श्री अरूण चतुर्वेदी पूर्व मंत्री राज. सरकार जयपुर।
9. श्री नीरज चतुर्वेदी पूर्व एमएलए होलिपुराध्कानपुर।
10. श्री गिरीराज किशोर चतुर्वेदी बैंगलोर।
11. श्री विनय चतुर्वेदी जाहगीपुरध्भिलाई।
12. श्री सुबोध चतुर्वेदी लखनऊ
13. श्री महेश मिश्रा मैनपुरी
14. साध्वी श्री नीति अम्बा चतुर्वेदी पीठाधिश्वर कोटा।
15. श्री धर्म गोपाल चतुर्वेदी भरतपुर।

4. 25 दिसंबर 2022 को संरक्षक मंडल ने संस्था को चलाने के लिए राष्ट्रीय कार्यकारणी का सर्वसम्मति से श्री नीरज चतुर्वेदी हिंडौन जयपुर को सभापति नियुक्त करते हुऐ अधिकृत कार्यकारणी सभी स्थानों का प्रतिनिधित्व देते हुऐ घोषित की। जिसमे श्री प्रणब चतुर्वेदी कानपुर को राष्ट्रीय महामंत्री संगठन, श्री निशीथ चतुर्वेदी डबरा ब श्री रोहित चतुर्वेदी आगरा को महामंत्री, ब भारत चतुर्वेदी, कानपुर को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष। के अतिरिक्त ७० पदाधिकारी, सदस्यो की कार्यकारणी सभापति श्री नीरज चतुर्वेदी की सहमति से घोषित की गई। साथ ही युवा परिषद् के लिऐ श्री मोहित चतुर्वेदी प्रयागराज, बाद में श्री आशीष चतुर्वेदी मथुरा को संयोजक, महिला पि.

रषद में श्रीमती निकिता चतुर्वेदी दिल्ली, बाद में श्रीमति माधवी चतुर्वेदी दिल्ली को संयोजक ब विधिक परिषद में श्री अम्बर चतुर्वेदी लखनऊ को संयोजक के पदों पर नियुक्त कर प्रत्येक परिषद में 25 व्यक्तियों की कार्यकारणी भी घोषित की गई।

5. सर्वप्रथम 31. दिसंबर 2022 को सामाजिक जनगणना कार्यक्रम शुरू करने के लिए श्री सी पी चतुर्वेदी मथुरा/मुम्बई को राष्ट्रीय जनगणना कार्यक्रम संयोजक नियुक्त कर जनगणना कार्यक्रम शुरू किया गया।

6. 1 जनवरी 2023 के 20 प्रदेश अध्यक्ष गणों की घोषणा निम्न प्रकार की गई।

1. उत्तरप्रदेश. श्री डां सुजीत चतुर्वेदी बाराबंकी।

2. राजस्थान. श्री हिरदेश चतुर्वेदी जयपुर

३. उत्तरा खंड. श्री रविन्द्र नाथ चतुर्वेदी देहरादून।

४. हरियाणा. श्री डां धीरज चतुर्वेदी कुरुक्षेत्र।

5. दिल्ली एनसीआर. श्री झनकार प्रियश चतुर्वेदी दिल्ली।

6. महाराष्ट्र. श्री सुधीर चतुर्वेदी मुम्बई

7. गुजरात. श्री प्रकाश चतुर्वेदी अहमदाबाद

8. मध्य प्रदेश. श्री तरूण चतुर्वेदी भोपाल

9. छत्तीस गढ़. श्री ज्ञान चतुर्वेदी भिलाई

10. हैदराबाद, तेलंगाना, श्री संतोष चतुर्वेदी हैदराबाद।

11. तमिलनाडु, श्री मति कंचन चतुर्वेदी चेन्नई।

12. पश्चिमी बंगाल, श्री फतह चंद चतुर्वेदी कोलकत्ता।

13. झारखंड. श्री राजू चतुर्वेदी रामगढ़।

14. बिहार श्री यतीन्द्र चतुर्वेदी पटना

15. उड़ीसा. श्री अरविंद चतुर्वेदी कुलंगा।

16. कर्नाटक. श्री मिर्दुलकांत चतुर्वेदी बैंगलोर।

17 जम्मू काश्मीर. श्री मनु चतुर्वेदी उधमपुर।

18 . पंजाब. श्री किशन चतुर्वेदी चंडीगढ।

19. हिमाचल प्रदेश. श्री भावेश चतुर्वेदी शिमला।

20. केरला ,पंडचेरी श्री आयुष चतुर्वेदी मोन्नार ।

1. जनवरी 2023 को ही संविधान समिति का गठन श्री सतेन्द्र चतुर्वेदी कानपुर की अध्यक्षता में किया गया। समिति में प्रणब चतुर्वेदी कानपुर, सुधीर चतुर्वेदी नेताजी कोलकाता, ज्ञान चतुर्वेदी भिलाई, निशीथ चतुर्वेदी डबरा। को नियुक्त कर 26जनवरी को संविधान महापरिषद को तैयार कर सोपने का समय निर्धारित किया

26 जनवरी 2023 को राष्ट्रीय कार्यकारणी की वर्चुअल मीटिंग में संविधान समिती ने श्री माथुर चतुर्वेदी महा. परिषद का सुन्दर नीतीगत संविधान तैयार कर तय समय सीमा में सौप दिया। जिसे कार्यकारणी ने अबलोकन कर 26 जनवरी 2023से ही अग्रिम कार्यबाही के लिए लागू करने की सर्वसम्मति से घोषणा की। ब संविधान समिती का धन्यवाद ज्ञापित किया।

साथ ही महापरिषद की एक सामाजिक डीजीटल ब फिजिकल पत्रिका प्रकाशन का निर्णय भी लिया इसके लिए श्री अतुल बी एन चतुर्वेदी इटावा को सम्पादक के रूप में नियुक्त किया गया एक संपादक मंडल बना कर प्रथम अंक का विमोचन शीघ्र करने का निर्णय लिया गया। 9अप्रेल 2023 को राष्ट्रीय कार्यकारणी की प्रथम बैठक पंजाब प्रांत के चंडीगढ़ में प्रदेश अध्यक्ष श्री किशन चतुर्वेदी के आमंत्रण पार अयोजित करने का निर्णय लिया गया।

19 मार्च 2023 को चतुर्वेदी समाज के उत्पत्ति स्थल पावन मथुरा नगरी में राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री कांता नाथ चतुर्वेदी, मथुरा,आशीष चतुर्वेदी मथुरा ललित चतुर्वेदी, सुभाष चतुर्वेदी , कपिल चतुर्वेदी, ब दीपा चतुर्वेदी, जितेंद्र चतुर्वेदी, प्रदेश महामंत्री रामदास चतुर्वेदी के आमंत्रण पर महापरिषद के कार्य का प्रारंभ यमुना पुत्रों के द्वारा सामुहिक रूप से यमुना पूजन अपनी कुल देवी मां महाविद्या ब मां चर्चिका देवी ब दीर्घ विष्णु भगवान के दर्शन के साथ किए जाने के लिए मथुरा में हल्द्वानी आगरा मथुरा करौली जयपुर भरतपुर डबरा,ग्वालियर कानपुर भोपाल से कार्यकारणी के बंधु बहनों ने उपस्थित होकर विधि विधान से पूजा अर्चना कर महापरिषद के सामाजिक कार्य को दीर्घ विष्णु भगवान मन्दिर में मीटिंग कर श्री गणेश किया। संकल्प पत्र, जनगणना फार्म ब लिंक के जरिए भरबाये गए। एकजुटता ब समाज को जोड़ने का संकल्प लिया गया।

9अप्रेल 2023 को लगभग300 की संख्या में चंडीगढ में विभिन्न स्थानों से संरक्षक गण, राष्ट्रीय पदाधिकारी ,कार्यकारणी सदस्य गणों ब प्रदेश अध्यक्ष गणों ने हर्षोल्लास के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम जनगणना संयोजक श्री सी पी चतुर्वेदी मुम्बई ने जनगणना रिपोर्ट 3 माह की प्रस्तुत करते हुए बताया की 15 हजार लोगो की जनगणना की जा चुकी है। आज की ताजा जानकारी के अनुसार जनगणना का कार्य 52000 हो चुकी है। कार्य प्रतिदिन प्रगति पर है।

मीटिंग में श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के निर्मित संविधान का अनुमोदन किया गया। ओर अग्रिम रजिट्रेशन की प्रक्रिया शुरू करने के लिए संरक्षक एड. बी.एन चतुर्वेदी एवं हीरालाल पांडेय, संरक्षक को अधिकृत किया गया। रजिस्ट्रेशन आल इण्डिया लेबल का करवाया जाए। 10 प्रांतो के उपस्थित प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मती से प्रस्ताव पारित किया। श्री अतुल बी एन चतुर्वेदी सम्पादक द्वारा समाज दर्पण डिजीटल, फिजिकल पत्रिका का विमोचन भी राष्ट्रीय संरक्षक गन सभापति ने राष्ट्रीय कार्यकारणी की उपस्थिति में करतल ध्वनि के साथ किया गया।

मई जून माह में प्रदेश इकाइयों की मीटिंग कराने का प्रस्ताव पारित किया गया।

इसके अंतर्गत 24 अप्रेल को उत्तराखंड की मीटिंग श्री रविन्द्र नाथ चतुर्वेदी की अध्यक्षता में हरिद्वार से शुरू की गई। उत्तर प्रदेश की श्री क्त सुजीत चतुर्वेदी की अध्यक्षता में बाराबंकी में की गई। मध्यप्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष श्री तरूण चतुर्वेदी की अध्यक्षता में ग्वालियर में, की गई राजस्थान की प्रदेश अध्यक्ष श्री हिरदेश चतुर्वेदी की अध्यक्षता में करौली, ब कोटा में की गई । हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष श्री क्त. धीरज चतुर्वेदी की अध्यक्षता में गुरुग्राम में की गई। पश्चिमी बंगाल प्रदेश अध्यक्ष श्री फतह चंद चतुर्वेदी की अध्यक्षता में की रिसरा कोलकाता में की गई। गुजरात की प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रकाश चतुर्वेदी की अध्यक्षता में बड़ौदा में की गई। महाराष्ट्र प्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष श्री सुधीर चतुर्वेदी की अध्यक्षता में नाशिक ब पुणे में की गई। छत्तीस गढ़ की प्रदेश अध्यक्ष श्री ज्ञान चतुर्वेदी की अध्यक्षता में रायपुर, भिलाई मे की गई। बाकी अन्य प्रदेशों की मीटिंग वर्चुअल रूप से प्रदेश अध्यक्ष गणों अध्यक्षता में अयोजित की गई। मीटिगो में सामाजिक विषयों पर चर्चा के साथ जनगणना फार्म ब संकल्प पत्र भरने के करी किए गए।

राष्ट्रीय कार्यकारणी की दूसरी मीटिंग प्रदेश अध्यक्ष श्री तरूण चतुर्वेदी के आमंत्रण पर भोपाल में 1,2 जुलाई को बुलाई गई। 2 जुलाई को ही पूर्व घोषित बिबाह योग्य युवक युवतियों का परिचय सम्मेलन भी भोपाल में आयो. जित किया गया 300 युवक युवतियों ने पंजीयन कराएं। जिनकी सूचि का प्रकाशन समाज दर्पण पत्रिका में प्रकाशित किया गया है।

मीटिंग में भदवार दर्शन यात्रा बटेश्वर धाम से इटावा तक निकालने का प्रस्ताव भी लिया । इस आयोजन के लिए संरक्षक श्री हीरा लाल जी पांडेय को कार्यक्रम संयोजक ब संरक्षक अशोक पाण्डे लोनी को सह संयोजक बनाते हुए 11सदस्यो की समिती का गठन किया गया।

28 29 अक्टूबर को भदावर दर्शन यात्रा का शुभारंभ पावन तीर्थ स्थल बटेश्वर धाम से देश के कोने कोने से पधारे महापरिषद के 450 बंधु बहनों की उपस्थिति में मां यमुना, ब बाबा बटेश्वर नाथ की पूजा अर्चना के साथ किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई की स्मृति में बने अटल धाम में सब की सुंदर आवास एवम भोजन व्यवस्था थी। बटेश्वर से बाह, पुरा, कन्हेरा तालगाव होलीपुरा नहटोली मई, चंद्रपूर ,कमतरी केस्थ कोठी जसबंतनगर इटावा तक की एतिहासिक और दिल को छू लेने वाली स्वागत सत्कार से ओत प्रोत ये यात्रा कभी भुलाए नहीं भूली जा सकती। सामाजिक प्रेम और एकता का सन्देश देने वाली रही भदावर दर्शन यात्रा। समाज के बुजुर्ग महिला पुरषों का हर गांव में महापरिषद द्वारा शॉल ओढ़ाकर श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया उनके चरण छूकर आशिर्वाद प्राप्त किया। जगह जगह पर यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। महापरिषद की तीसरी राष्ट्रीय कार्यकारणी बैठक बटेश्वर में अटल धाम में ही संपन्न हुई।

महापरिषद द्वारा सभी प्रदेशों ब जिला इकाईयों में दिपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किए गए।

15, जनवरी 2024 को राष्ट्रीय कार्यकारणी की वर्चुल मीटिंग अयोजित कर सभी पदाधिकारियों को नए क्लेंडर वर्ष की शुभकामनाए दी गई और महिला परिषद के ग्रुप में 1024 की संख्या हो जाने पर महिला संयोजक माधवी जी, नीमा जी ब उनकी पूरी सक्रिय टीम के बधाई भी दी। ब समाज के विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष श्री सुधीर चतुर्वेदी मुम्बई के आमंत्रण पर महापरिषद का सामाजिक चिंतन शिविर ब चतुर्थ राष्ट्रीय कार्यकारणी बैठक 1,2 मार्च 2024,,को नाशिक मे निर्णय लिया गया।

24 फरबरी 2024 श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का ऐतिहासिक दिन रहा। श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद आल इण्डिया लेबल की पंजीकृत एक मात्र चतुर्वेदी समाज की 6बे नंबर की संस्था के रूप में स्थापित हो गई।

1,2 मार्च को नाशिक में त्रियंबकेसर महादेव मंदिर ब कुण्ड की पूजा अर्चना के साथ सामाजिक एकता के लिए सामाजिक चिन्तन शिविर आयोजित किया गया।

कार्यकर्म संयोजक श्री गिरीराज चतुर्वेदी ब उनकी टीम ने शानदार प्रबंधन के साथ कार्यक्रम सम्पादित किया गया। पहले दिन सम्राट होटल नासिक में ब दूसरे दिन जी पी रिसोर्ट में कार्यक्रणी की मीटिंग संपन्न हुई।

मीटिंग में बहु प्रतीक्षित संस्था के पंजीयन प्रमाण पत्र प्रप्त होने पर स्वागत करते हुए ंक. बी एन चतुर्वेदी, एड. अभिषेक चतुर्वेदी, श्री हीरा लाल पाण्डेय दिल्ली का आभार वयक्त किया गया। ब सर्व सम्मति से अनुमोदन किया गया।

श्री रामनिवास चतुर्वेदी मुरैना के संयोजन में सामुहिक विवाह सम्मेलन देव उठनी गयारस को महापरिषद द्वारा आओजित करने का प्रस्तांब पारित किया गया। ब एक अयोजन समिती के गठन को भी मंजूरी दी गई।

प्रथम संवैधानिक बैठक 6ध्7 अप्रेल को दिल्ली में अयोजित करने का प्रस्ताव पारित किया गया।

संदेश

बंधुवर पालागन/जय श्री कृष्णा

बड़े हर्ष का ववर्य है हमारा सपना मूर्ता रूप ले रहा है, मुझे भली भांति याद है विग २० वर्षों से, मैं स्वयम, आदरणीय हीरा लाल जी पांडेय, श्री पवन मिश्रा और स्वर्गीय नीलम जी लगार्तार प्रयास करें रहे, हमारा सपना था की चतुर्वेदी समाज की एक राष्ट्रीय संस्था बनाई जाए । कई बार प्रयास किये, परन्तु मुझे कहने में यह संकोच नहीं है की हम असफल रहे।

मैं साधुवाद देना चाहूंगा, आदरणीय नीरज चतुर्वेदी, भाई प्रणव चतुर्वेदी, श्री निशीथ जी और भाई सी पी चतुर्वेदी को, जिनके अथक प्रयासों से एवं समस्त संस्थापक सदस्यों को, जो की भारत के १० राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, के सहयोग से चंडीगढ़ की मीटिंग में हमारी संस्था श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का गठन हुआ और विधिवत घोषणा की गयी।

इसी बैठक में, समस्त संरक्षक मंडल एवं संस्थापक सदस्यों ने मुझे अधिकृत किया की मैं इस संस्था को राष्ट्रीय स्तर पर पंजीकृत करवाऊं। आदरणीय हीरा लाल जी पांडेय और एडवोकेट अभिषेक चतुर्वेदी के अथक प्रयासों से परिणाम आपके समक्ष प्रस्तुत है।

आज हमारी संस्था श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद (पंजीकृत) चतुर्वेदी समाज की एक मात्र राष्ट्रीय संस्था है, एवं आज की तारीख़ तक ऐसी कोई और संस्था भारत में नहीं है, ये गर्व का विषय है, आप सभी ने इतिहास रचा है और इसलिए आप सभी बधाई के पात्र है।

मैं एक बार पुनः समस्त सदस्यों को, समस्त संस्थापकों को, समस्त संरक्षकों और खास तौर पे भाई सी पी चतुर्वेदी का विशेष आभार प्रकट करता हूँ, वह जिस तरह से , जिस निष्ठां से, जिस लगन से हमारी संस्था के लिए कार्य कर रहे हैं, वह निश्चित रूप से बधाई एवं अभिनन्दन के पात्र हैं।

"जितना जुड़ेंगे हम, उतना बढ़ेंगे हम "

ववेकानन्द चतुर्वेदी एडवोकेट (संरक्षक)

चतुर्वेदी समाज के सभी सदस्यों को मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई । श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद को समाज के उत्थान और विकास के लिए पहला ऑल इंडिया रजिस्टर्ड सोसायटी बनने पर बहुत-बहुत बधाई। यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जो समाज के उत्थान के लिए कार्य करना इसका मुख्य उद्देश्य होगा । मैं श्री नीरज चतुर्वेदी, श्री प्रणव चतुर्वेदी, श्री निशीथ चतुर्वेदी जी, श्री सी.पी चतुर्वेदी और सभी संस्थापक सदस्यों और संरक्षक सदस्यों को भी समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देता हूँ। इस समाज की स्थापना में उनका सहयोग और मार्गदर्शन सराहनीय है। उनके समर्थन और नेतृत्व के बिना यह कार्य संभव नहीं था। उनके प्रति आभार।

पवन मिश्र, (संरक्षक)

शुभकामना संदेश

आदरणीय बंधु एवं भगिनी

सादर पालागन जय श्री कृष्णा।

सभी बांधवों एवं भगिनियों को श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद (पंजीकृत) के पंजीयन पश्चात प्रथम कार्यकारिणी बैठक के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं।

हम सभी के मन में एक प्रश्न उठना स्वाभाविक है की जब समाज में एक दर्जन से अधिक सामाजिक संगठन कार्यरत हैं तब श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के गठन की क्या आवश्यकता थी यह सत्य है कि वर्तमान में समाज में एक दर्जन से अधिक पंजीकृत सामाजिक संगठन कार्यरत हैं लेकिन वे सभी राज्य स्तर पर कार्य करने हेतु अधिकृत है यह बात अलग है कि सभी राष्ट्रीय स्तर पर कार्य भी कर रहे हैं लेकिन सभी की कार्यप्रणालियां सीमित क्षेत्र की तथा गिने चुने लोगों के नियंत्रण तथा विचारधारा से संचालित थी इसमें बहुसंख्यक चतुर्वेदी समाज की भागीदारी नहीं थी इस संबंध में मैंने स्वयं कई बार सोशल मीडिया के माध्यम से एवं हमारे समाज की प्रतिष्ठत संस्था के मैनपुरी अधिवेशन के मंच से अपना दर्द व्यक्त किया सबसे बड़े दुख की बात यह है की कोई भी अधिकृत व्यक्ति उन सवालों का जवाब देने सामने नहीं आया यदि किसी सदस्य के मन में कोई विचार है तो संगठन के पदाधिकारियों में से किसी को तो अपना पक्ष रखने को तैयार होना चाहिए लेकिन वहां भी सब एक पक्षीय ही चल रहा था कोई किसी की बात सुनने को तैयार नहीं था यदि कोई कुछ कहता था तो कुछ अनाधिकृत व्यक्ति यह आरोप लगाकर कि संबंधित पद पाने के लिए इस प्रकार की बातें कर रहा है मुंह बन्द करने की कोशिश करने लगता था संगठनों में समाज की चिंता न करने की एक नई प्रथा जन्म ले रही थी जबकि कोई भी संगठन बिना समाज के अंतिम व्यक्ति से जुड़े अधूरा है इसलिए एक विचार ने जन्म लिया कि समाज की चिंता करने वाला एवं पूरे देश की भावनाओं को संकलित कर सर्वसम्मति से निर्णय कर कार्य करने वाला एक राष्ट्रीय स्तर का नया संगठन खड़ा किया जाए जो लोगों की जन भावनाओं को समझे उनकी शिकायतें सुने तथा मिले सुझावों के आधार पर सर्व सहमति से योजना बनाकर कार्य करें जन्मे विचार ने धीरे-धीरे मूर्त रूप लेना प्रारंभ किया कड़ियों से कड़ियां जुडीं वटवृक्ष पर नए पत्तों में जन्म लिया और एक हरा भरा वृक्ष श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के रूप में सामने आया महापरिषद ने अल्प समय में जनगणना जैसे विशाल कार्य को हाथ में लिया भाई श्री सी.पी. चतुर्वेदी के प्रयास रंग लाए और **45000** बांधवों का डाटा कंप्यूटर में एकत्रित हुआ आज हमारे संरक्षकों, सभापति एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्यों के सतत प्रयासों से हम आज **19** राज्यों में महापरिषद की इकाई का गठन कर सके साथ ही **14** राज्यों में महिला कार्यकारिणी भी गठित करने में सफलता पाई इसके साथ-साथ युवा कार्यकारिणी राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ राज्य स्तर पर भी गठित की जा रही है महापरिषद चंडीगढ़, भोपाल, बटेश्वर, नासिक मैं त्रैमासिक कार्यकारिणी बैठक तथा बाराबंकी करौली मथुरा आदि स्थानों पर बड़ी बैठ. कों का आयोजन कर चुकी है महापरिषद ने भोपाल में युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया अभी तक अपने हर कार्यक्रम में लगभग **150** से अधिक वयो-वृद्धों का सम्मान कर चुकी है निकट भविष्य में सामूहिक विवाह कार्यक्रम प्रस्तावित है परिषद द्वारा समाज की पत्रिका समाज दर्पण के **9** अंक प्रकाशित कर डिजिटल एवं छपवाकर बांधवों को वितरित कराए हैं अभी तक की समस्त कार्यवाही कार्यकारिणी के अपने प्रयासों का परिणाम है अब जब संस्था पंजीकृत हो चुकी है फाउंडर मेंबरों का दायित्व कम हो जाता है अब हम आशा करते हैं कि नवीन कार्यकारिणी नवीन ऊर्जा के साथ आप सभी के कंधे से कंधा मिलाकर आपकी अपनी संस्था श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी ।

आप सभी को एक बार पुनः बधाई एवं सफलता हेतु अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं ।

निशीथ चतुर्वेदी
फाउंडर मेम्बर

सभी को सादर पालागन एवं जय श्री कृष्णा।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का निर्माण या उदय क्यों और किस लिऐ ??

समाज में पूर्व से भी कुछ संस्थायें कार्यरत हैं उनके कार्य भी आज समाज उपलब्ध है वो भी संस्थाएं समाज के उपलब्ध सहयोग और संसाधनों से कार्यरत है और मैं भी समाज की एक ऐसी ही संस्था में कार्यकारणी का सदस्य रहा हूं लेकिन कहीं न कहीं उनका स्वरूप क्षेत्रीयता और व्यक्तिवाद के साथ साथ ही कुछ सदस्यों के इर्द गिर्द ही घूम रहा है उनके प्रति कहीं न कहीं अब जनमानस का झुकाव कम हो गया कारण समाज के सामान्य सदस्यों की भूमिका सिर्फ एक चुनाव तक ही सीमित हो गई और योग्य सदस्यों के स्थान पर हां मैं हां या नजदीकी रिश्तों ने अपना स्थान बना लिया। यदि आप कुछ समय या वर्षों के सदस्यों की संख्या देखें तो आप इस का अहसास कर सकते है समाज के विभिन्न स्थानों और कुल गोत्रों को इन संस्थाओं मैं व्यापकता से जोड़ने का अभाव ही परलक्षित होता है।संस्थाओं मैं पारदर्शिता का कोई स्थान नहीं बचा उस पर कुछ सदस्यों का बोलबाला हो गया जो सदस्य उसमें सुधार की या व्यापकता की आवाज उठाता उस को विरोधी की मानसिकता के रूप में देखना कहीं न कहीं लोकतांत्रिक व्यवस्था के चरमराने का अहसास कराती है।

इस सन्दर्भ में जब भी समाज के विभिन्न स्थानों के सदस्यों से सम्पर्क होने पर वार्ता होती तो अहसास होता था की कहीं ना कहीं समाज के सदस्यों के बीच रिक्तता आ रही है। समाज को व्यापकता के स्थान पर एक सीमित दायरे में ठहरने का भाव अधिक लगता था।

अत: पुन: समाज व्यापक रूप से जोड़ने के प्रयास के रूप मैं श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का गठन समाज के सदस्यों द्वारा ही प्रारम्भ करने का विचार प्रतिपादित हुआ जिसमें समाज की किसी भी अन्य संस्था को आवश्यकता पड़ने पर सहयोग देने का भी निर्णय भी हुआ ताकि यदि अन्य संस्थाएं भी यदि व्यापक रूप से कार्य करना चाहें तो उनको भी महापरिषद सहयोग देगी साथ ही सामान्य सदस्यों जिनके मन में समाज को सहयोग की भावना होगी उनको कार्य करने के लिऐ स्थान उपलब्ध करायेगी महापरिषद समाज के सहयोग के लिऐ स्थापित हुई है जिसमें प्रत्येक समाज के सदस्य का स्वागत है लेकिन अनुशासन एवं आत्मीयता के साथ कार्य को स्थान होगा वैमनस्यता के लिऐ कोई भी स्थान नहीं होगा अत: इसका भी सभी सदस्य विशेष ध्यान अवश्य रक्खे। श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद अब रजिस्टर्ड राष्ट्रीय संगठन के रूप में स्थापित हो चुकी है अत: अब ये व्यापक राष्ट्रीय स्वरूप में कार्य भी करेगी। अत: समाज के प्रत्येक सदस्य का स्वागत है।

प्रणव चतुर्वेदी, चेतन
राष्ट्रीय महामंत्री संगठन

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद कार्यकारिणी ने संस्था के पंजीयन एवं संविधान का प्रारूप संकलित करने का जटिल कार्य पूर्ण कर सराहनीय कार्य किया है। अब संस्था की गतिविधियाँ सुचारु रूप से संपन्न हो सकेंगी।

कामना है कि ६-७ अप्रेल की प्रस्तावित बैठक में संविधान का विधिवत अनुमोदन होसकेगा। मेरा पूर्ण सहयोग है।

आशा है कि संस्था अपने उद्देश्य की पूर्ति में सफल होगी। शुभकामनाएँ,

(विनय कुमार चतुर्वेदी)
भिलाई(मूल-जहाँगीरपुर)

पालागन जी।सभापति जी के निर्देश अनुसार कृपया नोट कीजिए

पंजीकृत संस्थान श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद की संरचना पर मेरे विचार।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का उद्गम और प्रगति अकल्पनीय और विस्मित करने वाली ऐतिहासिक घटना है, ये हमारे समाज में एक शीत क्रांति सदृश्य ही है।

लगभग एक शताब्दि पुराने संगठन की अकर्मण्यता और अलोकतांत्रिक कार्यप्रणाली के चलते,समाज में व्याप्त निराशा का ही परिणाम है कि समाज के ही चंद उत्साही ओर उज. वान बांधवों ने नई और सकारात्मक सोच लिए महापरिषद का गठन किया है।

महापरिषद का नई ऊंचाईयों को छूना और रिकार्ड समय में जनगणना में लगभग ५५ हजार का आंकड़ा चमत्कारिक है।

मेरे विचार से अब तक की सफलता के स्तंभ निम्न हैं

सभापति नीरज जी, महामंत्री प्रणव जी, एड वी एन चतुर्वेदी सुखदेव जी, संरक्षक ब्रजमोहन जी, हीरालाल जी संरक्षक एवं संस्थापक सदस्य, निशीथ जी मंत्री, जनगणना संयोजक चंद्रप्रकाश जी, एवं अतुल व्ही एन जी। संरक्षक

भारी संख्या में महापरिषद से जुड़े साथियों की हमसे काफी आशाएं और अपेक्षाएं भी होंगी तभी वे हमसे जुड़े हैं, कोर कमेटी इन मुद्दों पर गौर करके कार्ययोजनाएं बनाए ये समय की आवश्यकता है।

अनेकानेक शुभकामनाएं और साधुवाद। जय श्रीकृष्ण राधे राधे

ज्ञान चतुर्वेदी
संस्थापक सदस्य उपसभापति एवं छत्तीसगढ प्रदेश अध्यक्ष

मैं बहुत ही अभिभूत व उत्साहित महसूस कर रहा था। जब मैंने जाना कि अपने चतुर्वेदी समाज में कुछ प्रगतिशील विवेकशील लोग एक नई सोच व कुछ करने की तमन्ना से माथुर चतुर्वेदी समाज के सात गोत्र और चौसठ अल्ल को एकीकृत करने की व ऐसे लोगों को जोड़ने की सोच रखते हैं जो कभी भी समाज की मुख्य धारा से जुड़ नहीं पाये थे। इसके साथ ही जानकार फिर मेरे मन में भी कुछ कर गुजरने की इच्छा जागृत हुई और मैं श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद से आखिरकार जुड़ ही गया और उसी सोच के तहत

किसी भी नई सामाजिक संस्था की सफलता के लिए कई महत्वपूर्ण चीजें होती हैं।

उसके पास एक स्पष्ट उद्देश्य होना चाहिए जो समाज में परिवर्तन लाने की क्षमता रखता हो। उदाहरण के लिए युवाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, या पर्यावरण क्षेत्र में सुधार करने का हो सकता है।

मै श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद संस्था की उन्नति व उद्देश्यों की पूर्ति के लिए तहेदिल से मनोकामना करता हूँ ।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ ।

आपका
रोहित चतुर्वेदी

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद परिवार का 9 अप्रेल 2023 को चंडीगढ़ पंजाब में देश के विभिन्न क्षेत्रों से एकत्रित होना ही एक मजबूत संगठन की आधार शिला का रखा जाना ही प्रतीत हुआ।

दिन प्रतिदिन प्रगति पथ पर अग्रसर श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद आए दिन नित नए कार्यक्रम अयोजित होना, सफल मीटिंग होना, समाज हित की प्रगति का परिचायक हैं। आज समाज कल्याण की दिशा में महापरिषद नित नए आयाम स्थापित कर समाज में जनजागरण का कार्य कर रही है।

संरक्षक मंडल ब सभापति श्री नीरज चतुर्वेदी ब उनकी टीम के कुशल नेतृत्व में संगठन देश ही नहीं विदेशों में भी समाज को जोड़ने के लिए अग्रेषित है।

मेरी ब पंजाब कार्यकारणी की ओर से हार्दिक बधाई शुभकामनाएं।

किशन चतुर्वेदी, प्रदेश अध्यक्ष

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनरू
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते
(श्रीमद् भागवत गीता अध्याय 3 श्लोक संख्या 21)

भगवान श्री कृष्णा, अर्जुन को गीता ज्ञान देते समय कह रहे हैं कि "समाज के मूर्धन्य पुरुष जो आचरण करते हैं सम्पूर्ण समाज उसी का अनुसरण करता है"।

अतः उन श्रेष्ठ पुरुषों का दायित्व हो जाता है कि वह अपने कार्यों के प्रति सजग रहते हुए आदर्श प्रस्तुत करें।

भारत के निर्माण में चतुर्वेदियों का इतिहास अत्यंत गरिमामई, प्रभावशाली, उज्जवल एवं सर्वव्यापी रहा है।

सृष्टि के आदि से चतुर्वेदियों ने अपार साहित्य की रचना की तथा सनातन धर्म को प्रतिस्थापित किया है।

परंतु एक काल विशेष में विदेशी आक्रमणकारियों आतताइयों से भारी क्षति उठानी पड़ी है।

स्वतंत्रता के उत्तर काल में भी समाज की अवमानना की गई किंतु अब सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक क्षेत्र में चतुर्वेदियों की स्थिति सुदृढ़ हुई है ।

चतुर्वेदी स्वाभिमानी रहा है हमारी युवा पीढ़ी पर चतुर्वेदी समाज का उज्जवल भविष्य निर्भर है। इसके लिए आवश्यकता है कि वर्तमान परिपेक्ष में अपनी एकता को बनाए रखकर सर्वांगीण विकास के साथ साथ सर्वत्र अपनी सर्वश्रेष्ठता बनाए रखें।

उद्योग, टेक्नोलॉजी, ज्ञान विज्ञान, व्यवसाय, व्यवहार, संस्कृति एवं संस्कार के क्षेत्र में भी चतुर्वेदी अग्रणी रहे हैं । "श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद" के गठन का मुख्य उद्देश्य ही है कि सर्वांगीण उन्नति के लिए प्रयासरत रहते हुए, कहीं किसी भी प्रकार से हमारा युवा वर्ग अपनी पहचान और संस्कारों से विमुख न हो जाऐं।

इसके लिए युवाओं को "ब्राह्मण जन्मना ब्राह्मण" सिद्धांत को समझाते हुए अपनी जाति, रक्त की शुद्धता, उच्च आदर्शों एवं संस्कारों की रक्षा करने के लिए प्रेरित, जागरूक करना है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि समाज पूर्व में हुई घटनाओं के छिद्रान्वेषण में अपनी शक्ति और समय को बर्बाद न करें भविष्य में सजग रहें। इसके लिए

संस्थ को प्रतिक्षण युवा वर्ग को अपने इतिहास परंपराओं समय-समय पर हुए उत्थान-पतन, और कर्तव्यों का ज्ञान कराना ही मुख्य उद्रदेश्य होगा।

संस्था का उद्देश्य अथर्ववेद के उद्बोधन "उत्कृष्ट ब्राह्मणस्पत्ते" है। व्यक्ति के विचार ही उसके जीवन को सही या गलत दिशा में अग्रसर करने में अहम भूमिका निभाते हैं इसलिए अधिक से अधिक सुविचारों का प्रचार प्रसार तथा कुविचारों से मुक्त रहने के लिए प्रेरित करना होगा

आज पाश्चात्य सभ्यता के भौतिकवाद के कारण युवा वर्ग अपने संस्कार संस्कृति को भुला रहा है। संस्था आने वाली पीढ़ी को संस्कृत, संस्कार युक्त राष्ट्रीयता से परिपूर्ण बनाने का प्रयास करेगी। युवाओं को बताना है समझाना है, सेवा ही सर्वोपरि है किसी भी मनुष्य को उसके डील-डौल व कपड़ों से नहीं बल्कि आचरण से जानने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दें। छोटे से छोटे या बड़े से बड़े काम को सही ढंग से करें, स्वयं की प्रेरणा से जिम्मेदारी पूर्वक कार्य करें सोच सकारात्मक रखें इसके लेए, उद्बोधन से नहीं आचरण से शिक्षा देनी होगी ।

इन सब को ध्यान में रखकर इनके क्रियान्वित कराने के लिए ही "श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद" का उद्भव हुआ है ।

उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं ।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि परिषद, चतुर्वेदी समाज के सभी ७ गोत्र , ६४ अल्ल तथा कुल देवी महा विद्या एवं मां चर्चिका के अनुयाई बांधवों को संगठित कर एक सुशिक्षित, सम्पन्न, स्वस्थ समाज, युवाओं के उज्जवल भविष्य के लिए तैयार करने में सफल होगी। यही कामना करते हुए पुनः शुभकामनाएं

हीरालाल पांडेय, (तालगांव/दिल्ली)
संरक्षक एवं संस्थापक सदस्य

मन की बात
बंधुबर पालागन बडे हर्ष

की बात है कि हमारे समाज के कुछ बंधुओं ने आपस मै सलाह मशिबिरा करके यह फैसला लिया कि हमारे माथुर चतुर्वेदी समाज के बंधु रोजी रोटी के चक्कर मै अपने अपने गृह निबास छोड छोड कर अपने बच्चों के भरण पोषण ओर शिक्षा दिलाने के उद्देश्य से अपने अपने गांव छोड कर भारत क्या बिदेशों मै जाकर बस गये! ओर कई बंधुओं ने अपने आबास भी जगह जगह बना लिये और समाज से मिलना जुलना भी दूभर हो गया इसी उद्देश्य से माथुर चतुर्वेदी महापरिषद नाम की एक संगठन का निर्माण किया इसी उद्देश्य को लेकर सर्ब प्रथम संरक्षक गण, सभापति, संगठन मंत्री और मंत्री बनाये गये। सभी ने अपने अपने प्रयासों से राष्ट्रीय पदाधिकारियों की और कार्य कारणी सदस्यों की नियुक्ति की गई नियुक्त किये राष्ट्रीय पदाधिकारियों और कार्य कारणी सदस्यों के ही सहयोग से २१ प्रांतों मै हर प्रांत के अध्यक्ष और हर प्रांत के अध्यक्षों ने अपने प्रांतों के हर जिले के अपनी अपनी कार्य कारणी गठित कीं और यह संगठन मात्र 18 माह मै संमपूर्ण भारत के बंधुओं को जोडकर एक बडा बट बृक्ष खडा हो गया ! और आप सभी के सहयोग से जो संगठन बनाया उसका नाम "राष्ट्रीय माथुर चतुर्वेदी महापरिषद" नाम रखा गया उसका संमपूर्ण भारत का रजिस्ट्रेशन भी हो गयाअभी तक माथुर चतुर्वेदी समाज का ऐसा ऐक भी संगठन नहीं था जिसका रजिसट्रेशन संमपूर्ण भारत का हो यह बडे गर्ब की बात है कि कुछ ही समय मै हमारे पदाधि ाकारियों के प्रयास से संम्पूर्ण भारत का रजिसट्रेशन कराने मै सफलता प्राप्त की। यह माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का यही उद्देश्य था। कि संमपूर्ण भारत मै निवास करने बाले माथुर चतुर्वेदी समाज के जो ७ गोत्र ६४ अल्ल मै आते है उन बंधुओं को संगठित करना है। ऐक मंच पर लाना है यह कार्य भी अल्प समय मै पूर्ण हुआ! द्रसरा

कार्य यह हुआ कि अभी तक किसी ऐसी हमारे समाज की किसी संस्था ने समाज के सदस्यो की जनगणना करना उचित नहीं समझा थ बो भी माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के द्वारा की जा रही है जिसकी अभी तक की जनगणना लगभग **45000** तक पहुंच गई है!जनगणना से हमारे समाज के बंधुओं के निबास भारत क्या बिदेशों मै कहाँ कहाँ किन शहरों में किन जिलों मै हमारे बंधु निवास कर रहे है! उनकें कितने पुरूष कितनी महिला सदस्य ओर कितने लड़का कितनी लडकी है। उनकी क्या उम्र है, क्या शिक्षा है, नौकरी पर हैं या नहीं क्या खुद का विवसाय है कितनों की शादी हुई कितने कुवारे है ! क्या उनका खून का ग्रुप है आदि की भी जानकारी एकत्रित की है यह कार्य अभी तक हमारे समाज की किसी संस्था ने आज तक नहीं की है! आप सभी बंधुओं को भारत मै निबास करने बाले बंधुओं की भी प्रतिदिन समाज को वंशावली की भी जानकारी माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के ग्रुप पर देखने को मिल रहीं है ! माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का रजिसट्रेशन अभी अभी हुआ है लेकिन जब यह संगठन बनाया गया तो लगभग **18** माह से किसी भी बंधु से किसी भी प्रकार की धन राशि किसी भी रूप मै नहीं ली गई ! लेकिन हमारे समाज के एक लडका करौली जिले मै एक गांव है गुनेशरी इस गांव मै एक जबान लडके की बिजली के करैंट लगने से अकाल मृत्यू हो गई थी तो उसका परिबार गरीब था उसकी भी आथिंक मदद हमारी माथुर चतुर्वेदी महापरिषद से जुडे पदाधिकारियों और कार्य कारणी सदस्यों ओर जो बंधु इस संगठन से जुड़े है उन्होंने भी अपनी तरफ से आर्थिक मदद की ! हमारे ही समाज के एक लड़के नाम आशीष डबरा रेल्वे स्टेशन के मध्य ट्रेन से रन ओबर होने के कारण अकाल मौत हो जाने पर उस परिबार की भी काफी मदद की और भी कैई सराहनीय कार्य माथुर चतुर्वेदी महापरिषद मै जुडे पदाधिकारियों और कार्य कारणी सदस्यो के द्वारा किये गये है! अब इस संगठन का रजिसट्रेशन हो चुका है ओर दिल्ली मै **6/7/4/2024** को संम्पूर्ण भारत के निबास करने बाले बंधु जो महापरिषद से जुडे हुये है मै उन से निबेदन करता हूँ कि अभी यह संगठन सभी के सहयोग से एक बड़ा रूप लेकर उभरा है ओर एक बट बृक्ष सभी के सहयोग से पदाधिकारियों के कड़ी मेहनत का ही फल है ! सभी राष्ट्रीय संरक्षक गण सभी पदाधिकारियों ने अपना तन मन धन से इस बट बृक्ष को बिशाल रूप देकर खड़ा किया है सभी से अनुरोध है कि हमारे पुराने ही सभापति श्री नीरज जी चतुर्वेदी को ही सर्ब सम्मति से राष्ट्रीय सभापति घोषित करने की कृपा करें निबेदक

सुखदेव चतुर्वेदी उवाड डबरा
राष्ट्रीय संरक्षाक माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

आदरणीय सभापति नीरज जी
पालागनजय श्री कृष्ण।

जानकर अत्यंत हर्ष हुआ कि माथुर चतुर्वेदी समुदाय की अखिल भारतीय शीर्ष संस्था "श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद" केंद्र स्तर पर पंजीकृत हो गई है,यह इसलिए और भी महत्वपूर्ण है कि हम मथुरियों की संस्था महापरिषद को केंद्रीय स्तर पर सर्व प्रथम पंजीकृत होने का गौरव प्राप्त हुआ है।

इस पंजीकरण के माध्यम से शासन स्तर पर घोषित योजनाओं का लाभ संस्था से जुड़े अपने बांधवों को भी प्राप्त हो सकेगा।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि हेतु आप और आपकी पूरी टीम साधुवाद की पात्र है।

सुबोध चंद्र चतुर्वेदी, संरक्षाक

संघे शक्ति कलौयुगे

संगठन में ही शक्ति है, यह निर्विवाद अभीष्ट सत्य है। इसी सदा सत्य रहने वाले तथ्य को केन्द्र में रखकर माथुर चतुर्वेद समाज के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बिखरे रत्नों को एक सूत्र में पिरोकर दिव्य माला बनाने के उद्देश्य के साथ, तथा वर्तमान परिदृश्य में समाज को विकास मार्ग पर अग्रसर करने का संकल्प लेकर,समाज को एकजुट करने का प्रयास गत वर्ष प्रारम्भ किया गया था, जो "श्री माथुर चतुर्वेदी महा-परिषद" के रूप में आकार ले चुका है। नव-गठित संगठन का,विगत कुछ दिनों पूर्व ही पंजीकरण भी हुआ है। समाज के अन्तिम व्यक्ति तक पहुंच कर सभी को साथ लेकर चलने के अनवरत संन्निष्ठ प्रयासों का क्रियान्वयन जारी है। संगठित समाज ही सबके विकास का मार्ग सुगम कर सकता है और इसके लिए सबका विश्वास जीतना भी उतना ही आवश्यक है। अपने इस विशिष्ट कार्यक्रम के साथ धरातल पर रचनात्मकता लिए हुए संगठन प्रगति पथ पर निरंतर बढ़ रहा है। यह दृढ़ता पूर्वक कह सकते हैं कि "श्री माथुर चतुर्वेद महा-परिषद" को समाज के लोगों का साथ और विश्वास दोनों ही प्राप्त हो रहा है। अभी तक संग. ठन से लगभग **45000** हजार सदस्य जुड़ चुके हैं। पंजीकरण के पश्चात् नव-गठित महा-परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की हाल ही में नासिक (महाराष्ट्र) में प्रथम बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में आगामी कार्यक्रम की रुपरेखा निर्धारित की गई। लक्ष्य प्राप्ति हेतु अभी बहुत कुछ करना शेष है, जो कि ईश्वर कृपा और आपके सहयोग से सम्भव है

सत्येन्द्र चतुर्वेदी
गुजरात महामंत्री, संस्थापक सदस्य

प्रयि नीरज जी, यह जानकर अत्यंत हर्ष हुआ कि महापरिषद आपके सभापतित्व के दौरान आगामी ०६०७ अप्रेल को दिल्ली में होने वाली बैठक में महापरिषद के संविधान और पंजीकरण की प्रतियां प्रकाशित करने जा रही है। इस प्रयास के लिये आप और आपकी कार्यकारिणी बधाई के पात्र हैं।

मेरी ओर से इस कार्यक्रम की सफलता के लिये हार्दिक शुभकामनायें स्वीकार करें।

शारीरिक रूप से अस्साथ होने के कारण मैं आने में असमर्थ हूँ।

अरुण चतुर्वेदी

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का गठन आज की आवश्यता थी समाज देश विदेश नें प्रगति पथ पर अग्रषित है परन्तु अपनी आन्तरिक शक्ति से अनिभिग्य है इसके गठन से हनुमान को उसके अपार बल की याद दिलाने में सहायता मिलेगी जिससे एकजुटता पारस्परिक सहयोग की सांमजस्यता की भावना का उद्भव अवश्य ही होगा और यही लक्ष्य की प्राप्ति करना उसके लिए लाभकारी सिध्द होगा । पंजीकरण की इस असाधारण अविस्मरणीय उपलब्धि के लिए निश्चित ही संयोजन मंडल का प्रयास सराहनीय ही नहीं अपितु संस्था के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है इसके लिए हार्दिक शुभकांमना व दिल से इस उपलब्धि के लिए संयोजन मंडल का आभार । संस्था के लिए दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति व प्रत्येक सदस्य के लिए सार्थक संयुक्त प्रयास करने का जो मार्ग प्रशस्त हुआ है वह भविष्य के आने वाले सदस्यों में उत्साह वर्धक अवश्य ही साबित होगा । धन्यवाद

एस०सी० चतुर्वेदी,
उपाध्यक्ष गुजरात कार्यकारिणी से०नि० आई०आर०पी०एस०

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद, समाज का संगठन, समाज के द्वारा, समाज के लीये

चतुर्वेदी समाज देश दुनिया के कोने मैं बस कर जब अपनी जड़ों की ओर देख रहा था तो उसे कोई ऐसी केन्द्रीय संस्था नही दीखती थी जहां वह सम्पूर्ण समाज से जुड़ सके।

अभी तक राष्ट्रीय स्तर पर कोई ऐसा मंच नहीं था जहां से सम्पूर्ण चतुर्वेदी समाज की एक आवाज हो राष्ट्र के सम्मुख समाज की प्रमुख आवश्यकताओं व उपलब्धियों को रेखांकित करें व उनका यथा सम्भव निदान व सम्मान लाये।

समाज के कोने कोने से आ रही ऐसी आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए ही श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का ६ अप्रैल २०२३ को जन्म हुआ।

बड़े हर्ष का विषय है कि दिल्ली सरकार ने श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद को अखिल भारतीय कोऔपरेटिव (सहयोगी) राष्ट्रीय संस्था के रूप मै २४-२-२४ को मान्यता देकर रजिस्ट्रेशन प्रदान किया है।

यह संगठन, माथुर चतुर्वेदी महापरिषद ऐसे समन्वय मंच का निर्माण कर रहा है जहॉ सभी अपने चतुर्वेदी समाज की बड़ी छोटी संस्थायै व समाज के सभी वर्गों के सदस्य समान अधिकार व समान सम्मान व समान आवाज के साथ मिल बैठ कर व अपनी आवाज मिलाकर समाज के सर्वजन उत्थान की दिशा मैं आगे बढ सकै व चतुर्वेदी समाज का राष्ट्रीय स्तर पर महत्व स्थापित कर सकै। संगठन मै ही शक्ति है जो समाज को व उसके सभी अंगों को और अधिक प्रगति पथ पर ले जा सकती है

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का जन्म देश दुनिया की किसी भी सामाजिक संस्था से बिना बैर व बिना कम्पटीशन रखे सबका साथ सबका विकास के मंत्र को लेकर हुआ है।

चतुर्वेदी समाज के सदस्य अब अपने मूल स्थान मथुरा, भदावर, चन्द बड़े शहरौं से बहुत आगे निकल कर देश मै ५०० स्थानों से अधिक व पचासों देशौं मै स्थापित है ऐसे मै सबको एक माला मै पिरोकर विभिन्न उप भागों को भुला कर एकीकरण करना है।

एकीकरण का अर्थ है कि सब के हृदय के दरवाजे सब को खुले हैं । एकीकरण की भावना मात्र से आपके सम्पर्क व सहयोग का आधार बढ़ता है व एकीकरण की भावना के अभाव मै आप अन्य के लीये अजनबी है अतरू श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद एकीकरण व पारस्परिक प्रेम का भाव चारों तरफ पैदा करने के महान उद्देश्य को ले कर जन्मी है और यही हमारा समाज के लिये विजन है २०२३ महापरिषद का स्थापना वर्ष रहा है जिसके सभी कार्यक्रम संरक्षकों, संस्थापकों व सहयोगी महानुभावों के स्वेच्छा सहयोग से आयोजित किये गये।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद परिवार दिन प्रतिदिन प्रगति पथ पर अग्रसर है श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद लगातार नित नए कार्यक्रम अयोजित कर रही है, जनगणना व समाजिक चेतना कर सफल मीटिंगै कर रही है जहॉ समाज का हर वर्ग अति उत्साह से सम्मिलित हो रहा है, ये समाज हित की प्रगति का परिचायक हैं। आज समाज कल्याण की दिशा में महापरिषद नित नए आयाम स्थापित कर समाज में जनजागरण का कार्य कर रही है।

सक्रिय कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से संगठन देश मैं ही नहीं विदेशों में भी समाज को जोड़ने के लिए सफलता से अग्रसर है।

अब समय आ गया है कि महापरिषद का जनतन्त्र के सिद्धांत पर विस्तार किया जाये अतरू सन् २०२४ को सदस्यता वर्ष के रूप मैं मनाया जाएगा ।

संस्था के रजिस्ट्रेशन के बाद अब समाज के हर कोने से मात्र रु ५००) मै आजीवन सदस्य बनाये जाएगें जिनको महापरिषद के सभी कार्यक्रमौ मै भाग लेने, वार्षिक सभा के प्रस्तावों पर मत देने का, त्रिवार्षिक चुनावों मैं प्रत्याशी बनने का व मत देने का समान अधिकार होगा।

समाज के युवाओं व शुभचिंतकों से आवाहन है कि केवल २५ आजीवन सदस्य महापरिषद के बना कर वे समाज हितैषी पद के व महापरिषद के पदाधिकारी बनने की योग्यता के अधिकारी होंगे।

आइऐ ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनायै, महापरिषद के उद्देश्यौं को प्राप्त करने मै सहयोग करैं व समाज को संगठित करै।

बृजमोहन चतुर्वेदी, राष्ट्रीय संरक्षक सेवक, मुम्बई/मथुरा

श्री नीरज जी, यह जानकर अत्यंत हर्ष हुआ कि महापरिषद आपके सभापतित्व के दौरान आगामी ०६०७ अप्रेल को दिल्ली में होने वाली बैठक में महापरिषद के संविधान और पंजी. करण की प्रतियां प्रकाशित करने जा रही है। इस प्रयास के लिये आप और आपकी कार्यकारिणी बधाई के पात्र हैं।

मेरी ओर से इस कार्यक्रम की सफलता के लिये हार्दिक शुभकामनायें स्वीकार करें।

भूपेन्द्र नाथ चतुर्वेदी
(नेएडा) संरक्षाक महापरिषद।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के लिए गर्व का विषय है कि राष्ट्रीय लेबिल पर श्री माथुर चतुर्वेदी समाज की पहली सामाजिक संस्था का गौरव प्राप्त हुआ है।

सभी को हार्दिक बधाई शुभकामनाएं।

सब मिलकर एकजुटता से समाज को जोडने की दिशा में कार्य करने के प्रति संकल्पित रहे।

अशोक पाण्डे
संरक्षाक

MEMORANDUM OF ASSOCIATION (MOA) OF A SOCIETY "SHRI MATHUR CHATURVEDI MAHAPARISHAD" FORMED FOR SOCIAL WELEFARE OF ENTIRE CHATURVEDI OMMUNITY RESIDING ALL OVER INDIA

1. Name of the Society	**Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad**
2. Registered Office	The registered office of the society is shall be situated in the National Capital territory of Delhi at:- **present Chamber no 581, New Chambers Complex, Patiala House Court New Delhi 110001.** EMAIL -SMCMP2023@GMAIL.COM
3. Area of operation	All over India where Mathur Chaturvedi family resides.
4. Objectives of the organization	**The Aims and objectives of the society shall be** (a) To make the society powerful and beneficial to the society, by establishing public relations by making the society aware of its plans. (b) Providing financial assistance with encouragement and guidance for all types of education in the society. (c) To cooperate with economically and physically weak and helpless persons. (d) To help financially weak families for the marriage of girls. (e) Along with organizing medical aid camps for a healthy society, organizing yoga camps. (f) To organize religious, spiritual, cultural, intellectual and physical programs from time to time for social upliftment.

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

(g) To fulfill the objectives of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad, formation and operation of different types of sub-committees, construction and maintenance of movable and immovable properties of Maha Parishad, proper management, security, buying and selling, renting of building (of Maha Parishad) Till the General Council does not have its own place for office and to rent its own building.

(h) To make schemes for the welfare of the society and to strengthen the economic condition of the Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad by collecting money and property from the relatives of the society and spending it in the interest of the society.

(i) To publish a magazine so that mutual harmony and cordial environment is maintained in the society and new consciousness is awakened in the society by the development of knowledge, science and art. To inspire the society towards national consciousness.

(j) In case of break in marital relations in the society, regional sub-committees are constituted to diagnose the problem.

k) To give every possible cooperation to other district Shri Mathur Chaturvedi Sabhas and to cooperate and get cooperation from Shri Mathur Chaturvedi Mahasabha and other parallel organizations when necessary.

(l) To cooperate with the nation in national plans and national calamities.

(m) To cooperate in the upliftment of every section of the society with full capacity and loyalty.

sd
President

sd
Secretary

sd
Treasurer

(n) Chaturvedi brothers of Indian origin living in the world to stay connected with the society and their country

(o) Motivating and inculcating social values in them by introducing them to social rites and customs

(p) To create a sense of respect and respect for the values and Indian culture.

(q) For the benefit of marriable girls and boys.

(r) To arrange Parichaya Sammelan and "SAMUHIK VIVAH"

5. Governing Body

- The names, address, occupation and designation of the present members of the Governing Body of whom the management of the society is entrusted as required under section 2 of the Societies Registration Act 1860, as applicable to the All India, are as follows:-

S.No.	Name* & Address	Occupation	Designation
1.	SHRI. NEERAJ CHATURVEDI S/O LATE SHRI CHANDRBHAN R/O CHOBEY KA PADA, WARD NO 32, HINDAUN KARAULI RAJASTHAN 322230		PRESIDENT sd/-
2.	SHRI PRANAV CHATURVEDI S/O LATE HARESH CHANDRA CHATURVEDI R/O 95, GANGA NAGAR HOUSING SOCIETY, AZAD NAGAR KANPUR UTTAR PRADESH 208002.	PRIVATE JOB	SECRETARY sd/-
	BHARAT CHATURVEDI S/O KAILASH CHATURVEDI R/O HOUSE NO. 127/1001 W-1, SAKET NAGAR, JUHI COLONY, KANPUR, UTTAR PRADESH 208014.		TREASURER sd/-
4.	SHRI NISHITH CHATURVEDI S/O RAVINDRA KUMAR CHATURVEDI R/O PURENDRA PURAN TOLKIES KE PASS, RAVI NAGAR, TEACHERS COLONY, DABRA, GWALIOR, MADHYA PRADESH.		PATRON sd/-
5.	SHRI HIRA LAL PANDEY S/O LATE SHRI TRIVENI SAHAI R/O S-84 PARAMPURI, SANJIVNEE PUBLIC SCHOOL, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI 110059		PATRON sd/-

sd
President

sd
Secretary

sd
Treasurer

S.No.	Name* & Address	Occupation	Designation
6.	ADV. VIVEKANAND CHATURVEDI S/O LATE SHRI AVDHESH CHATURVEDI R/O 1434, FIRST FLOOR SECTOR 5 VASUNDHARA GHAZIABAD UTTAR PRADESH 201012.		PATRON sd/-
7.	SHRI PAWAN KUMAR MISHRA S/O LATE SHRI HARDEV SAHAI, 6 GANDHI MARKET, MIRDARD ROAD, MINTO ROAD, DELHI 110002.		PATRON sd/-
8.	SHRI SATYENDRA KUMAR CHATURVEDI S/O SHRI SUBHASH CHNDRA R/O D-301, SWATI RESIDENCY-5, OPPOSITE KB ROYAL, SNEH PLAZA, CHANDKHEDA, AHMEDABAD, GUJRAT -382424.		PATRON sd/-

6. Desirous Member

❒ We, the under signed are desirous of forming a society namely "SHRI MATHUR CHATURVEDI MAHAPARISHAD" under the Societies Registration Act 1860, as applicable to All over India, in pursuance of the Memorandum of Association of the society.

S.No.	Name* & Address	Occupation	Signature*
1.	SHRI. NEERAJ CHATURVEDI S/O LATE SHRI CHANDRBHAN R/O CHOBEY KA PADA, WARD NO 32, HINDAUN KARAULI RAJASTHAN 322230		PRESIDENT
2.	SHRI PRANAV CHATURVEDI S/O LATE HARESH CHANDRA CHATURVEDI R/O 95, GANGA NAGAR HOUSING SOCIETY, AZAD NAGAR KANPUR UTTAR PRADESH 208002.	PRIVATE JOB	
3.	SHRI SATYENDRA KUMAR CHATURVEDI S/O SHRI SUBHASH CHNDRA R/O D-301, SWATI RESIDENCY-5, OPPOSITE KB ROYAL, SNEH PLAZA, CHANDKHEDA, AHMEDABAD, GUJRAT -382424.		
4.	CHANDRAPRAKASH CHATURVEDI S/O MUKUNDLAL CHATURVEDI 802, BOMBAY MARKET APARTMENT, CO-OP SOCIETY, TARDEO, MUMBAI, MAHARASHTRA 400034.		

sd
President

sd
Secretary

sd
Treasurer

S.No.	Name* & Address	Occupation	Signature*
5.	DHIRAJ KUMAR CHATURVEDI S/O KAILASH CHANDRA CHATURVEDI R/O 903 URBAN ESTATE, SECTOR 5 THANESAR, KURUKSHETRA, HARYANA 136118.		
6.	ROHIT CHATURVEDI S/O SHRI VIRENDRA KUMAR CHATURVEDI R/O B-188, KAMLA NAGAR, AGRA, UTTAR PRADESH 282005.		
7.	ADV. VIVEKANAND CHATURVEDI S/O LATE SHRI AVDHESH CHATURVEDI R/O 1434, FIRST FLOOR SECTOR 5 VASUNDHARA GHAZIABAD UTTAR PRADESH 201012	ADVOCATE	
8.	SHRI NISHITH CHATURVEDI S/O RAVINDRA KUMAR CHATURVEDI R/O PURENDRA PURAN TOLKIES KE PASS, RAVI NAGAR, TEACHERS COLONY, DABRA, GWALIOR, MADHYA PRADESH.		
9.	SHRI PAWAN KUMAR MISHRA S/O LATE SHRI HARDEV SAHAI, 6 GANDHI MARKET, MIRDARD ROAD, MINTO ROAD, DELHI 110002	RETIRED FROM INCOME TAX OFFICE	
10.	BHARAT CHATURVEDI S/O KAILASH CHATURVEDI R/O HOUSE NO. 127/1001 W-1, SAKET NAGAR, JUHI COLONY, KANPUR, UTTAR PRADESH 208014.		
11.	SHRI PIYUSH CHANDRA CHATURVEDI S/O DHANESH CHANDRAJI CHATURVEDI R/O JANTA PETROL PUMP. BARAILLY ROAD, HALDWANI TALLI, NANITAL, UTTRAKHAND 263139.		
12.	SHRI HIRA LAL PANDEY S/O LATE SHRI TRIVENI SAHAI R/O S-84 PARAMPURI, SANJIVNEE PUBLIC SCHOOL, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI 110059		
13.	SHRI GYAN CHATURVEDI S/O LATE M.D CHATURVEDI R/O QUARTER NO-1/A, SOUTH PARK, AVENUE, SECTOR-9 BHILAI, CIVIC CENTRE, BHILAI, DURG, CHATTISGARH 490006		
14.	SHRI KISHAN KUMAR CHATURVEDI S/O P.D CHATURVEDI HOUSE NO 3547, SECTOR -46-C CHANDIGARH PUNJAB		

sd
President

sd
Secretary

sd
Treasurer

RULES AND REGULATIONS OF A SOCIETY "SHRI MATHUR CHATURVEDI MAHAPARISHAD" FORMED FOR SOCIAL WELEFARE OF ENTIRE CHATURVEDI COMMUNITY RESIDING ALL OVER INDIA

Name — Name of the society shall be "SHRIMATHUR CHATURVEDI MAHAPARISHAD

1. MEMBERSHIP

(a) Citizen women/men of Shri Mathur Chaturvedi Samaj who are adults (18 years) can take lifetime and sessional membership by paying the fees fixed by the Chaturvedi Maha Parishad.

(b) Membership shall be lifelong and sessional. The amount of membership will be determined by the working executive after discussion, which can be increased or decreased. The membership fee will be kept in such a way that every class can easily bear it. Female/Male membership fee will remain the same.

(c) Ordinary members of the General Council can also be made by filling the resolution letter prescribed by the General Council , but these members will not have the right to vote or participate in the election, for such member the organization can work in the interest of such members .

(d) The work area of Chaturvedi Maha Parishad is India, therefore financial grants can be obtained regularly from any district in the programs organized by the Maha Parishad.

2. SUBSCRIPTION

i. Lifelong membership fee Rs.500/-

ii. Membership without voting rights Rs.10/-

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

3. TERMINATION OF MEMBERSHIP

The Governing Body Shall have the powers to expel a member from the society on the following terms and conditions: -

- ❒ lunatic, mental patient, death, bankruptcy, punishment by the court or for non-payment of membership fees fixed by the General Council and for doing anti-organization work, not accepting the decision of the meeting of any General Council executive member.
- ❒ On his or her resignation
- ❒ If he/she has not attended three consecutive meeting of the general body without any information.
- ❒ Membership of a member can be terminated by proceedings. This membership can be terminated only after informing in the general body.

4. VOTING RIGHTS

- ❒ Mathur Chaturvedi women/men living all over India who are adults will be eligible to be a candidate and vote in the election only after taking the lifetime membership of the Maha Parishad.
- ❒ To be eligible for election (office bearer/executive) in the Maha Parishad, it is necessary to have the name mentioned in the membership list and voter list of the Maha Parishad.
- ❒ The executive will decide on the process of voting.
- ❒ The amount given to the General Council (whether grant, membership fee, election fee or election objection fee, etc.) will not be returned under any circumstances.
- ❒ The financial year of the General council will be from 1st April to 31st March.

5. APPEALS

- ❒ All the appeals should be referred to the Election officer. The decision of the Election officer shall be final. The reasons for rejection shall be communicated to the person concerned.

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

6. RE-ADMISSION

- In case a member is expelled by the Governing Body, the same can be re- admitted provided the member pays up all the dues to the society. However, the decision of the Governing Body shall be final.

7. GENRAL BODY OF THE SOCIETY

There shall be a General Body of the society consisting of all the members. The meeting of the General Body shall be held at last once every year with 2/3rd quorum. An emergent meeting of the General Body may also be summoned on the written request of 3/4th members, with 15 days prior notice for such meetings. The notice period of the general meeting of the General Body shall be 15 days. The following business programs shall be transacted in these meetings:-

i. To prepare annual programs and policies;

ii. To discuss and decide all such matters and issues which are directly or indirectly related to the affairs of the society;

iii. To pass annual budget of the society;

iv. To appoint a qualified auditor for conducting annual audit of the society; and

v. To consider any other business brought forward by the Governing Body.

8. GOVERNING BODY OF THE SOCIETY

S.No.	Name* & Address	Occupation	Designation
1.	SHRI. NEERAJ CHATURVEDI S/O LATE SHRI CHANDRBHAN R/O CHOBEY KA PADA, WARD NO 32, HINDAUN KARAULI RAJASTHAN 322230		PRESIDENT
2.	SHRI PRANAV CHATURVEDI S/O LATE HARESH CHANDRA CHATURVEDI R/O 95, GANGA NAGAR HOUSING SOCIETY, AZAD NAGAR KANPUR UTTAR PRADESH 208002.	PRIVATE JOB	SECRETARY

sd
President

sd
Secretary

sd
Treasurer

S.No.	Name* & Address	Occupation	Designation
3.	BHARAT CHATURVEDI S/O KAILASH CHATURVEDI R/O HOUSE NO. 127/1001 W-1, SAKET NAGAR, JUHI COLONY, KANPUR, UTTAR PRADESH 208014.		TREASURER
4.	SHRI NISHITH CHATURVEDI S/O RAVINDRA KUMAR CHATURVEDI R/O PURENDRA PURAN TOLKIES KE PASS, RAVI NAGAR, TEACHERS COLONY, DABRA, GWALIOR, MADHYA PRADESH.		PATRON
5.	SHRI HIRA LAL PANDEY S/O LATE SHRI TRIVENI SAHAI R/O S-84 PARAMPURI, SANJIVNEE PUBLIC SCHOOL, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI 110059		PATRON
6.	ADV. VIVEKANAND CHATURVEDI S/O LATE SHRI AVDHESH CHATURVEDI R/O 1434, FIRST FLOOR SECTOR 5 VASUNDHARA GHAZIABAD UTTAR PRADESH 201012.		PATRON
7.	SHRI PAWAN KUMAR MISHRA S/O LATE SHRI HARDEV SAHAI, 6 GANDHI MARKET, MIRDARD ROAD, MINTO ROAD, DELHI 110002.		PATRON
8.	SHRI SATYENDRA KUMAR CHATURVEDI S/O SHRI SUBHASH CHNDRA R/O D-301, SWATI RESIDENCY-5, OPPOSITE KB ROYAL, SNEH PLAZA, CHANDKHEDA, AHMEDABAD, GUJRAT -382424.		PATRON

I. Other posts may be increased or decreased with the consent of the executive.

II. Patrons and Special Invitees or Board of Advisors will not be counted in the executive member, can be called in the meeting organized by the Executive Committee as per the requirement.

III. It is to be clarified that all the office bearers nominated by the president will have the right to work according to their position. The above Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad executive will be approved in the future general meeting and the constitution of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad will

sd
President

sd
Secretary

sd
Treasurer

also be approved, after that it will be considered applicable with immediate effect after registration in the registrar's office.

IV. Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad Executive can constitute sub-committee/cell for execution of special tasks, after the completion of the work the sub-committee/cell will automatically be considered abolished. In case of dispute, the decision of the President and the General Secretary will be valid.

V. The President and the general secretary will select the coordinator of the sub-committee/cell. These coordinators can take associates for their cooperation and will keep the executive informed about their work. A new coordinator could be selected in his place.

VI. Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad will expand the work of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad by forming state, district and city units in the major states of the country for the purpose of keeping the society united and nominated by the Chairman with the consent of the Board of Guardians.

VII. In Shri Mathur Chaturvedi General Council, in addition to the General Secretary (Organization), there will be two more General Secretary posts who will cooperate with the President and the General Secretary (Organization) and will perform their functions in the absence of the General Secretary (Organization).

VIII. A 15-member core committee will be formed in Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad, which will decide the policy in the social interest in association with the guardian officers of the Maha Parishad. The decisions of the Core Committee will be kept in the full National Executive of the General Council for approval and will be presented before the society. All the powers of the General Council will be vested in the National Core Committee. In the Core Committee, 5 members from the Patrons and 10 members from the General Council Executive will be nominated by the Chairman. The above core committee will remain authorized till one term of the General Council.

IX. The General Council will have a Patrons whose number of members will be 15, which will be represented from different areas of the society. The minimum age of the Guardian member will be 60 years.

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

X. The Maha Parishad will constitute committees at the state, district and city level for the expansion of social organization as per the requirement and will be authorized to form committees of brothers living in the country and abroad as per the requirement.

9. ELECTION PROCESS

I. Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad will first nominate the election officer. The election officer can also nominate a person from among the Chaturvedi brothers of the society or in special circumstances among Sanrakshak Mandal (Patrons).

II. After the nomination of the Election Officer, a letter will be issued by the President of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad or the General Secretary to the effect that you have been appointed as Election Officer after the approval of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad Executive.

III. Nomination letter will be given to the Election Officer along with the list of members (voters who are all over India), manual copy of the organization, nomination fee which has been fixed by the executive. Signature of the General Secretary is necessary in all the letters.

IV. The Chairman and the General Secretary will be authorized to cooperate with the Election Officer.

V. Election notification will be issued by the Election Officer 90 days before the date of poll.

VI. The election post, number, nomination fee, nomination date, nomination withdrawal date, polling process place, date, time etc. should be clearly mentioned in the notification.

VII. The Election Officer will ensure that all the above information reaches all the voters through appropriate or convenient means, this will be ensured by the Election Officer at his level.

VIII. The time for nomination for the candidates in the election will be of 15 days from the date of declaration of the election, withdrawal of nomination will be of 10 days after closing of nomination date, the date of poll will be kept after 15 days after the last date of withdrawal of nomination.

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

IX. The candidates will have to pay the nomination fee along with the nomination form. The Election Officer will give the fee receipt and voter list to the candidate.

X. Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad Executive will decide the amount of nomination fee which will not be refunded under any circumstances.

XI. After the issue of the election release, all the rights related to the election process will be with the election officer. Which will remain vested till the swearing in of the newly elected Chairman.

XII. In case of rejection of nomination form of any candidate or dispute in the election, the decision of the Election Officer will be universal.

XIII. After the election is over, the election officer will declare the winning candidate through a letter with his signature.

XIV. After the completion of the election, the election officer will inform the members about the place and time of counting of votes.

XV. No honorarium or allowance shall be payable to the election officer or any member working in the election process.

XVI. Bill vouchers of all the expenses incurred in the election process of the election officer, the former treasurer or the general secretary. If any candidate is unsatisfied with the counting of votes, he can apply for re-counting with the prescribed amount of fee, the fee amount will be decided by the executive committee, this fee will not be refunded in any case, the election officer will be taken in the re-counting. The decision will be universal.

XVII. Due to odd circumstances like curfew, instructions of the administration, death of the candidate, etc., the election officer can amend his earlier release.

XVIII. Electoral officer favouritism or any other allegation can be imposed by a candidate only when a letter containing the signature of 1/3 of the total number of members is received by the Patrons along with the prescribed fee. This allegation letter should be sent 1 week before the nomination date.

XIX. The Patrons will investigate the allegation levelled against the election officer in 3 days and will be able to appoint a new election officer again.

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

XX. After one month from the date of counting of votes, the ballot papers used and unused in the election shall be destroyed by burning.

XXI. If a candidate makes unlimited indecent remarks towards the Election Officer, the Election Officer will have the right to cancel the nomination paper of the candidate.

10. ARBITRATION

- In case of any dispute, if executive committee failed to resolve the dispute, Board of Patron will nominate and appoint any Patron among themselves mutually, as an Arbitrator, who will conduct arbitration hearing and adjudicate the dispute by passing an award as per the rules of Arbitration and conciliation Act 1996.

11. JURISDICTION

- All the disputes relating to society i.e. Shri Mathur Chaturvedi Parishad will subject to Delhi court jurisdiction only.

12. PATRON (SANRAKSHAK MANDAL)

Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad will have two types of patrons which are as follows-

I. Mr. Mathur Chaturvedi, the former President of the Maha Parishad, will remain a patron for life.

II. Those who are selected in the Patrons should be from the Mathur Chaturvedi family and have completed 60 years of age and have interest in the activities of the society; Have faith in them, their selection will be done on the basis of majority in the executive.

III. There will be total members in the board of patrons, their number can be changed according to the decision of the executive, as far as possible, representation of all areas will be good.

IV. The rights of both types of Patrons shall be equal.

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

13. SPECIAL INVITEE MEMBER, PERMANENT MEMBER, YOUTH COUNCIL, WOMEN'S COUNCIL, LEGAL ADVISORY COUNCIL

Members in all the above sub-committees or cells can be nominated from among the brothers of the whole of India. All of them should have faith and faith in the membership of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad and the constitution. The executive will nominate them according to the work. Will be an officer.

14. CONSTITUTION OF SUB-COMMITTEES

Mr. Mathur Chaturvedi Maha Parishad can form sub-committees as per requirement. Only convenor should be nominated in sub-committees. Convener will be able to keep associates from his level for his help. After completion of work, this sub-committee will automatically be considered dissolved. shall have the right to dissolve or replace any member.

15. MEETING (GENERAL AND SPECIAL)

I. It is necessary to have at least two meetings of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad in a financial year (from 1st April to 31st March) in which the full executive (nominated members and office bearers) will be present, the number of meetings can be increased as per the requirement. This information must be given to all the members well in advance.

II. Board of Guardians, Advisory Board, Special Invitees can be invited in general meeting or special meetings, whose authority will be with the President and the General Secretary, only the President will have the right to invite special meetings.

III. Notice period - Notice of general meeting will have to be given 1 month before the date of the meeting by telephone, personal contact, courier, communication

XIV. After the completion of the election, the election officer will inform the members about the place and time of counting of votes.

XV. No honorarium or allowance shall be payable to the election officer or any member working in the election process.

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

XVI. Bill vouchers of all the expenses incurred in the election process of the election officer, the former treasurer or the general secretary. If any candidate is unsatisfied with the counting of votes, he can apply for re-counting with the prescribed amount of fee, the fee amount will be decided by the executive committee, this fee will not be refunded in any case, the election officer will be taken in the re-counting. The decision will be universal.

XVII. Due to odd circumstances like curfew, instructions of the administration, death of the candidate, etc., the election officer can amend his earlier release.

XVIII. Electoral officer favouritism or any other allegation can be imposed by a candidate only when a letter containing the signature of 1/3 of the total number of members is received by the Patrons along with the prescribed fee. This allegation letter should be sent 1 week before the nomination date.

XIX. The Patrons will investigate the allegation levelled against the election officer in 3 days and will be able to appoint a new election officer again.

XX. After one month from the date of counting of votes, the ballot papers used and unused in the election shall be destroyed by burning.

XXI. If a candidate makes unlimited indecent remarks towards the Election Officer, the Election Officer will have the right to cancel the nomination paper of the candidate.

10. ARBITRATION

- In case of any dispute, if executive committee failed to resolve the dispute, Board of Patron will nominate and appoint any Patron among themselves mutually, as an Arbitrator, who will conduct arbitration hearing and adjudicate the dispute by passing an award as per the rules of Arbitration and conciliation Act 1996.

11. JURISDICTION

- All the disputes relating to society i.e. Shri Mathur Chaturvedi Parishad will subject to Delhi court jurisdiction only.

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

12. PATRON (SANRAKSHAK MANDAL)

Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad will have two types of patrons which are as follows-

I. Mr. Mathur Chaturvedi, the former President of the Maha Parishad, will remain a patron for life.

II. Those who are selected in the Patrons should be from the Mathur Chaturvedi family and have completed 60 years of age and have interest in the activities of the society; Have faith in them, their selection will be done on the basis of majority in the executive.

III. There will be total members in the board of patrons, their number can be changed according to the decision of the executive, as far as possible, representation of all areas will be good.

IV. The rights of both types of Patrons shall be equal.

13. SPECIAL INVITEE MEMBER, PERMANENT MEMBER, YOUTH COUNCIL, WOMEN'S COUNCIL, LEGAL ADVISORY COUNCIL

Members in all the above sub-committees or cells can be nominated from among the brothers of the whole of India. All of them should have faith and faith in the membership of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad and the constitution. The executive will nominate them according to the work. Will be an officer.

14. CONSTITUTION OF SUB-COMMITTEES

Mr. Mathur Chaturvedi Maha Parishad can form sub-committees as per requirement. Only convenor should be nominated in sub-committees. Convener will be able to keep associates from his level for his help. After completion of work, this sub-committee will automatically be considered dissolved. shall have the right to dissolve or replace any member.

15. MEETING (GENERAL AND SPECIAL)

I. It is necessary to have at least two meetings of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad in a financial year (from 1st April to 31st March) in which

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

the full executive (nominated members and office bearers) will be present, the number of meetings can be increased as per the requirement. This information must be given to all the members well in advance.

II. Board of Guardians, Advisory Board, Special Invitees can be invited in general meeting or special meetings, whose authority will be with the President and the General Secretary, only the President will have the right to invite special meetings.

III. Notice period - Notice of general meeting will have to be given 1 month before the date of the meeting by telephone, personal contact, courier, communication medium which will include date, place, time, agenda. This work will be done by General Secretary (Organization).

IV. Quorum - 51% of the number of executive members of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad will be considered as quorum. The meeting can be held provided 40% members are present in the meeting, otherwise the meeting will be considered adjourned.

V. If there is no quorum, then meeting will be adjourned for half an hour and then meeting will be resumed after half an hour and whosoever members are present are treated as quorum

VI. Appointment to fill vacancies in the working committee of the General Assembly.

VII. If any post in the executive committee of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad becomes vacant due to any reason, the President will have the right to re-appoint that post.

VIII. If the post of President and General Secretary falls vacant due to any reason, then according to the rules, there will be an alternative arrangement for these posts, it will not be supplied.

IX. When all other posts are vacant, the executive will have the right to promote the members to fill the vacant places.

16.TENURE OF SHRI MATHUR CHATURVEDI GENERAL COUNCIL

I. The tenure of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad Executive will be 3 years from the date of taking oath.

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

II. The executive will have the right that after the completion of the tenure, due to circumstances, it can extend the tenure from 3 months to a maximum of 6 months, provided 3/4 executive members agree.

17. RIGHTS AND DUTIES OF EXECUTIVE MEMBERS OF SHRI MATHUR CHATURVEDI MAHA PARISHAD

I. All members to attend the meeting in a cordial atmosphere. The rights of all the members will be equal. Members will be able to get information about the progress on the decision taken in the previous meetings.

II. Mutual consent after discussing the outline of the proposed agenda Failing to decide by voting.

III. To know the progress of the tasks assigned to the office bearers and members in the meetings and to approve and agree to the expenditure/budget.

IV. To extend the term of office bearers of the executive from 3 months to 6 months due to the circumstances and to express agreement/disagreement on this.

V. All the office bearers and members of the Executive Committee of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad will avoid unrestrained question and debate against the Maha Parishad at any public place, otherwise Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad will be free to take disciplinary action against them.

VI. If there is a need for a radical change or amendment in the constitution/ rules of the Maha Parishad, Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad can make amendments with the consent of 75% of its executive members, which should be passed in the general meeting to be held in the future. will be necessary.

18. NOMINATION OF MEMBERS IN SHRI MATHUR CHATURVEDI MAHA PARISHAD AND RIGHT TO FILL VACANT POSTS.

I. The right to nominate the Returning Officer.

II. The right to bring no-confidence motion against Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad Executive will be valid only when 75% of the total members (Mathur

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

Chaturvedi from all over India) will present their signed letter before the Patrons Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad Executive Officer / Member The no-confidence motion against the working committee will be valid only after the consent of 70 members.

III. The task of making new members of the organization, asking the treasurer about the income-expenditure, taking information about the progress of the proposed works.

IV. Presenting new proposals for the upgradation of the General Council, regular participation in the meetings organized, finding initiatives for the financial strength of the organization and timely financial cooperation.

19. RIGHTS AND DUTIES OF OFFICE BEARERS OF SHRI MATHUR CHATURVEDI GENERAL COUNCIL

I. Patron Board - Mr. Mathur Chaturvedi Maha Parishad and the post of Patron is respected from the social point of view. The Patrons is a link between the General Council and the society, which has a special role, which they have been following and will maintain dignity in the same way.

I . RIGHTS AND DUTIES OF THE BOARD PATRONS.

- Efforts to establish harmony between Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad and the society.
- If the General Council is not taking interest in social activities and is not conducting regular meetings, then the Patrons will warn by giving notice of 3 months, if no improvement is seen, then after ousting the executive, new elections will be conducted in 6 month as per the rules.
- If old executive Committee does not transfer the charge to the new Executive Committee, then they shall have the right to -
  - By writing a letter to the manager of the bank in which the institution has its account, Withdrawals can be put on hold.
  - In such circumstances the membership of the Sabha can be expelled for 3 years.

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

- ✦ Can write a letter to the Registrar of societies and firms to ban the works of the old executive.

II. THE RIGHTS AND DUTIES OF THE PRESIDENT :-

- ❒ The post of President shall be the highest among the office bearers of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad.
- ❒ To preside over the meetings of the General Council and to confirm the proceedings of the previous meeting (i.e. to see that the same proceedings of the previous meeting are mentioned in the register, other than that no other point has been included separately in the proceedings).
- ❒ If any idea has been presented by the Patrons, then it should be informed to the members in the meeting of the Executive Committee and the decision will be taken after discussion. respect the decision taken by the executive
- ❒ If there is a situation of division of votes in the executive meeting in a controversial matter and the votes are equal on both sides, then there will be a provision for the President to give an additional vote in the voting.
- ❒ To approve the account of income-expenditure of the organization which has been approved in the executive after the financial year.
- ❒ To appoint election officer on the recommendation of executive members
- ❒ To approve the organized and proposed programs according to the decisions taken in the meeting of Shri Mathur Chaturvedi General Council.
- ❒ If any member of the executive body of the General Council is not interested in the work and is indolent, then he will have the right to suspend it and the right to get his work done by another executive member is provisioned to the Chairman.
- ❒ In special circumstances, the President will have the right to spend up to Rs.25,000/- without the approval/approval of the Executive Committee, but in the next meeting, bill vouchers of the amount spent and the situation will have to be brought to the notice of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad Executive Committee.

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

- ❒ At the time of withdrawal and payment of funds from the bank, president can sign the cheque along with treasurer, signature of treasurer is mandatory.
- ❒ In case of any legal action in case of dispute on the General Council, the President can nominate an officer to resolve the legal action.
- ❒ The right to take policy decisions for the development of society and organization.

III. THE RIGHTS AND DUTIES OF THE SENIOR VICE PRESIDENT-

- ❒ In the absence of the President, the right to do all the work legally given to the Chairman Providing cooperation to the President in all types of works of the General Council.
- ❒ The powers given to the executive members shall be included
- ❒ To execute the tasks assigned by the President and the Executive Committee on time.

IV. RIGHTS AND DUTIES OF THE GENERAL SECRETARY -

- ❒ Organizing different types of meetings of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad. To arrange for the information of the meetings to reach all the members (through all possible means of communication).
- ❒ The work of making agenda and minutes (proceedings details) in the meeting
- ❒ Correspondence in public interest Work of sending news (making press release).
- ❒ To get cooperation from Co-General Secretary, Secretary, Joint- Secretary, Organization-Secretary on the legal action taken by the institution or on the institution.
- ❒ To put the proposal of the election process on the table of the meeting after the completion of the tenure of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad.
- ❒ To allow the Treasurer to spend up to Rs.15000/- if required for the work of the Society or the General Council, but to make available the bill voucher of the expenditure due in the next meeting.

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

- ❒ At the time of withdrawal and payment of funds from the bank, General Secretory can sign the cheque along with treasurer, signature of treasurer is mandatory.
- ❒ Keeping all the records related to Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad with proper maintenance.
- ❒ Providing cooperation to the election officer at the time of election.
- ❒ To cooperate with the treasurer, cell sub-committees on time, they will perform the tasks assigned to them.
- ❒ To do all the work related to Registrar firm and society and proper maintenance of correspondence records.

V. THE RIGHTS AND DUTIES OF THE ASSISTANT GENERAL SECRETARY -

- ❒ In case of temporary absence of the General Secretary, the entire work of his office.
- ❒ If for any reason the post of General Secretary is permanently vacant, then the Chairman, after discussing with the Executive Committee, may fill the vacant post by promoting one of the members below, considering the efficiency of the office bearers.
- ❒ To give timely cooperation to the General Secretary, to provide cooperation to the General Secretary on any legal action, to perform all the tasks assigned by the executive.
- ❒ To cooperate with the treasurer or to do his work in the absence of the treasurer, if the post of treasurer remains vacant for a long time, then to do all his work.

VI. FUNCTIONS AND DUTIES OF SECRETARY ORGANIZATION -

- ❒ To perform his functions including the functions of the General Secretary or the Assistant General Secretary in his absence.
- ❒ Informing the brothers of the society about the outline of the programs organized by Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad, how the bonds of the society can be connected with the Maha Parishad, implementing such schemes and getting help from other members.

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

- Motivating brothers to take membership of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad and taking cooperation from other members to make them members
- Member of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad and doing the work of making the society strong by keeping it united.
- Keeping in constant contact with the state, district and city units given in charge by Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad Executive, getting the social welfare works done, completing all the tasks given by the executive on time and getting them done.

VII. POWERS AND DUTIES OF CO-SECRETARY

- In the absence of the Joint Secretary / Secretary Organization, to perform his functions with all his functions.
- To propagate the schemes and working methods of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad and to motivate the brothers to take membership of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad.
- Keeping in constant contact with the state, district and city units given in charge by Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad Executive, getting the social welfare works done, completing and getting all the works assigned by the executive on time.

VIII. TREASURER'S POWERS AND DUTIES -

- Maintenance of all income and expenditure related work and records of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad.
- To present and to show the Fund related report in the meetings of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad containing general expenditure details .
- The Treasurer will have the right to keep Rs.20,000/- for the expenses of the program in case of emergency. All payments above Rs.1000/- will be made by check, except in case of unavoidable circumstances, the receipt of which will be received by the Treasurer only for the sessional member and lifetime membership. Book has been issued, will be able to receive cash amount, remaining all types of donations / assistance will be received by cheque.

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

- It is mandatory to get the signature of the Chairman or the General Secretary after his signature for issuing the cheque. It will be the responsibility of the treasurer to withdraw the amount from the bank.
- Payment of any bill voucher will not be valid without the counter signature of the Chairman or the General Secretary.
- The counter sign of the General Secretary will be necessary on the receipt book issued by the treasurer to receive cooperation / donation and the treasurer will have to keep the account of the amount received from these receipt books. It will be necessary to include in the expenditure.
- The treasurer will prepare the balance sheet of the General Council after the financial year and present it before the executive after inspection by the auditor and chartered accountant.
- The annual balance sheet will be prepared jointly by the treasurer and the auditor, and then finalized after contacting the chartered accountant.
- If Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad executive member or any Chaturvedi Bandhav asks questions related to balance sheet, then the treasurer will satisfy that member by answering his question.
- If for any reason the Treasurer is unavailable, the General Secretary will get the meeting completed by providing necessary records to any other office bearer or member.
- The Treasurer will not be able to incur any kind of expenditure without bringing it to the notice of the Chairman or the General Secretary.
- In any nationalized bank, the President, General Secretary and the Treasurer can open an account only on the withdrawal and expenditure, only two Treasurers and the President or the General Secretary will be eligible for signature, in which the Treasurer will be the first signatory, the remaining one will sign.
- Inspection of income-expenditure report of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad and submission of audit report.
- To discharge the tasks and responsibilities assigned by Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad Executive.

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

- ❒ It will be the responsibility of both the treasurer and the auditor to answer the questions raised related to income and expenditure in the general meeting called by Shri Mathur Chaturvedi Maa Parishad.
- ❒ To assist the treasurer in preparing the account (balance sheet) of annual income and expenditure.
- ❒ Inspecting the balance sheet made by the treasurer, after that recommending the signature to the Chairman and the General Secretary, the balance sheet will be valid only after the signature of the Chairman and the General Secretary.
- ❒ To assist the treasurer in taking action after legal advice on how to get exemption to the General Council of Section 80G.

20. SOURCES OF INCOME OF SHRI MATHUR CHATURVEDI GENERAL COUNCIL –

a. Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad Executive to get the fees by getting the brothers to take membership.

b. Funds received from any donation / grant to Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad.

c. Funds received by Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad through different types of events or programs.

d. Financial support given by Chaturvedi Community or society.

e. Income received by advertisements of publication of letter on any event or annual festival.

21. MAINTENANCE OF THE FUND OF SHRI MATHUR CHATURVEDI MAHA PARISHAD -

a. The income received by Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad will be maintained by the Treasurer.

b. The account in any nationalized bank will be opened in the district office of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad and will be operated by the treasurer under the rules.

sd	sd	sd
President	Secretary	Treasurer

c. The treasurer will be able to keep only Rs 20,000/- in cash as per rules for contingency expenditure.

d. It will be the responsibility of the treasurer to deposit the money received by Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad in the bank immediately from any beginning.

e. Except in special circumstances, the treasurer will do transactions above Rs.1000/- only by cheque.

f. Will keep all records of income expenditure, bill voucher, cash book, bank passbook, ledger, balance sheet, check book, auditor inspection report etc. with him.

22- ESSENTIAL RECORDS OF SHRI MATHUR CHATURVEDI GENERAL COUNCIL -

a. All correspondence related to the idea of formation of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad.

b. Letter of declaration of temporary executive posts by eminent brothers (founder members) of Chaturvedi Samaj.

c. Rules (Constitution) of the organization.

d. Registration certificate of the institution.

e. Membership registers of the association.

f. Proceedings register in the meeting of the organization.

g. Stock, property, ledger register of the institution.

h. If the institution has movable immovable property, then all the records related to it.

i. All records related to income and expenditure of the organization.

j. All documents related to state, district and city units constituted by Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad.

sd
President

sd
Secretary

sd
Treasurer

23. DISCIPLINE, INDISCIPLINE AND ACTION -

(a) Shri Mathur Chaturvedi, being absent in the meetings organized by the Maha Parishad Executive, if the member remains absent in three consecutive meetings without giving notice, a show cause notice will be issued to him and suspension or expulsion can be done if satisfactory answer is not received.

(b) In the meeting program organized by Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad, if any member indulges in indecency, propaganda towards the organization, using profanity, not behaving according to constitutional rules, it will be considered as indiscipline and the member will be eligible for suspension or expulsion.

(c) Not showing interest in the works given by Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad and disregarding the works.

(d) The post of the President is the highest, so there should not be any criticism for the dignity of that post, if there is any question then it should be discussed by keeping it on the executive table.

(e) Misbehaviour towards the election officer at the time of election will be considered as indiscipline and if the member is a candidate or his proposer / supporter, then the election officer will have the right to Cancel the candidature of the candidate.

(f) The rule of indiscipline is considered equally applicable to all the members of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad executive and as punishment they will not be invited in any event of Shri Mathur Chaturvedi Maha Parishad.

sd
President

sd
Secretary

sd
Treasurer

sd
President

sd
Secretary

sd
Treasurer

WITH BEST COMPLIMENTS

FROM

CHATURVEDI & ASSOCIATES
LAW FIRM

ADV. V. N CHATURVEDI
9810280191
advocatevnc@gmail.com

ADV.ABHISHEK CHATURVEDI
9810100852
abhi.chaturvedi2009@gmail.com

ADV. SHIVANG CHATURVEDI
9910000181
shivang_chaturvedi@yahoo.co.in

ADDRESS :-

1. CHAMBER NO 581, PATIALA HOUSE COURT, NEAR INDIA GATE, NEW DELHI -01
2. OFFICE – CUM- RESIDENCE 1434, SECTOR 5, VASUNDHARA, GHAZIABAD, UP.201012
3. 29/46 BASEMENT, WEST PATEL NAGAR, NEW DELHI -110008